गाजियाबाद से प्रकाशित
अहम सत्ता
(हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र)
सत्ता से सवाल
► www.ahamsatta.com ◄
► RNI NO:UPHIN/2021/86326 ◄
वर्ष : 04 अंक : 39 | शुक्रवार 14 नवंबर से 20 नवंबर 2025, गाजियाबाद | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

Harsh ENT Hospital
Dr. Brajpal Singh Tyagi
ENT Specialist, 37 Years Exp. (MBBS, MS - ENT)
(A UNIT OF ABR HEALTHCARE SOLUTIONS PVT.LTD)
PH- 0120-4552014, 9810287957 C-43, RDC RAJNAGAR, GHAZIABAD- 201002 (U.P.) www.harshpolyclinics.com

अमरोहा पालिका ने निजी स्कूल

कॉलेजों पर लगाया टैक्स, दो करोड़ रुपये वार्षिक राजस्व की उम्मीद

अहम सत्ता

अमरोहा। नगर पालिका प्रशासन ने अब तक शहर के निजी स्कूलों और कॉलेजों से कोई टैक्स नहीं वसूला था, लेकिन अब यह स्थिति बदलने जा रही है। उत्तर प्रदेश नगर पालिका नियमावली के तहत अब सभी निजी शैक्षणिक संस्थानों को टैक्स के दायरे में लाया गया है। इस नए कदम के तहत अमरोहा नगर पालिका प्रशासन ने सभी निजी स्कूलों और कॉलेजों के संचालकों को नोटिस जारी कर दिया है। नोटिस में संस्थानों के परिसरों की पैमाइश कराकर उन पर टैक्स लगाने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। अनुमान है कि इससे पालिका को करीब दो करोड़ रुपये का अतिरिक्त वार्षिक राजस्व प्राप्त होगा।

नगर में इस समय लगभग 70 निजी स्कूल और कॉलेज संचालित हैं, जो अब तक टैक्स-मुक्त श्रेणी में थे। लेकिन नियमावली लागू होने के बाद अब सभी शैक्षणिक संस्थान टैक्स देने के लिए बाध्य होंगे। पालिका प्रशासन का कहना है कि यह कदम नगर के राजस्व स्रोतों को सुदृढ़ करने के लिए उठाया गया है ताकि नगर के विकास कार्यों के लिए अधिक धन उपलब्ध हो सके। फिलहाल इस निर्णय से स्कूल-कॉलेज संचालकों में हलचल मच गई है। कई संस्थानों ने इस पर आपत्ति जताई है, जबकि कुछ ने नियमों के तहत टैक्स चुकाने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

नगर पालिका अब तक आवासीय और अनावासीय संपत्तियों से जलकर और गृहकर के रूप में टैक्स वसूलती थी। इन स्रोतों से सीमा विस्तारित क्षेत्रों को मिलाकर करीब 4.40 करोड़ रुपये का वार्षिक राजस्व प्राप्त होता है। अब निजी शैक्षणिक संस्थानों पर टैक्स लगाए जाने से नगर पालिका की आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की संभावना है।

पालिका प्रशासन ने बताया कि टैक्स निर्धारण की प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जाएगी। इसके लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों को सभी संस्थानों की सही-सही पैमाइश करने के निर्देश दिए गए हैं। कुछ स्कूलों के भवनों की पैमाइश पूरी कर ली गई है और उन पर टैक्स निर्धारण भी कर दिया गया है।

राजस्व निरीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि न केवल निजी स्कूल-कॉलेज बल्कि नगर के सभी सरकारी भवन और कार्यालय भी टैक्स के दायरे में शामिल किए गए हैं। इन भवनों की पैमाइश कराकर टैक्स का निर्धारण पूरा कर लिया गया है। इस व्यवस्था से पालिका को सालाना करीब ढाई करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि बढ़ते शहरीकरण और विकास कार्यों के लिए वित्तीय संसाधन बढ़ाना जरूरी है। निजी संस्थानों से टैक्स वसूली से नगर की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और जनहित के कार्यों को गति मिलेगी। वहीं, कई स्कूल संचालक इस फैसले को लेकर सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे हैं।

धर्म और सेवा के नाम पर ठगी का धंधा!

✍ चौधरी अफसर की कलम से

आज सोशल मीडिया ने आम लोगों को अपनी आवाज उठाने का एक सशक्त मंच दिया है, लेकिन अफसोस यह है कि इसी मंच पर अब धर्म और सेवा के नाम पर ठगी का धंधा तेजी से पनप रहा है। कुछ तथाकथित ₹धर्मरक्षक₹ और ₹समाजसेवी₹ खुद को भगवान का दूत या गरीबों का मसीहा बताकर भोले-भाले लोगों की भावनाओं से खेल रहे हैं।

ये लोग तिलक लगाकर, टोपी पहनकर, नम्रता दिखाकर और मीठे बोलों में सेवा का वादा करके लोगों से आर्थिक सहयोग मांगते हैं। धीरे-धीरे यह सहयोग ठगी में बदल जाता है।वीडियो और पोस्ट के जरिए झूठे किस्से गढ़कर ये सोशल मीडिया पर दया और विश्वास का नाटक करते हैं। नतीजा यह होता है कि असली धर्म और सच्ची सेवा दोनों की छवि धूमिल होती है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि इन लोगों की असल मंशा समाज सुधार नहीं, बल्कि प्रसिद्धि और पैसा कमाना है। धर्म और इंसानियत के नाम पर ठगी करने वाले ऐसे लोग समाज की आस्था को कमजोर कर रहे हैं।

प्रशासन को चाहिए कि इनकी जांच कर इनके बैंक खाते, संपत्ति और ऑनलाइन लेन-देन की गहराई से पड़ताल करे, ताकि सच्चाई सामने आ सके। साथ ही, जनता को भी सतर्क रहना होगा — हर मुस्कुराते चेहरे या भावनात्मक अपील के पीछे सेवा नहीं, स्वार्थ भी छिपा हो सकता है।

सच्चा धर्म कभी प्रचार से नहीं, बल्कि कर्म से पहचाना जाता है।इसलिए आंख मूंदकर भरोसा नहीं, जागरूकता से ही समाज की रक्षा संभव है।

चौधरी अफसर समाचार संपादक
(अहमसत्ता समाचार पत्र)

अगर कुछ हुआ तो जिम्मेदार पुलिस अफसर होंगे शिवानी तोमर ने वीडियो जारी कर दी चेतावनी

शिवानी तोमर का कहना है कि आरोपी उत्तर कुमार ने मुकदमे से हटने का दबाव बनाने के लिए कुछ लोगों से उन्हें धमकियां दिलवानी शुरू कर दीं। इतना ही नहीं, एक महिला सोनम सेन यूट्यूब ID - @sonamsen_official ने 8 नवंबर 2025 को यूट्यूब पर एक वीडियो अपलोड कर उनके खिलाफ गालियां दीं, उनकी छह साल की बेटी के बारे में अभद्र टिप्पणी की और कोर्ट के बाहर मिलने पर जान से मारने की धमकी दी।

अहम सत्ता

गाजियाबाद। जिले में एक महिला अधिवक्ता को सोशल मीडिया के माध्यम से धमकियां मिलने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी पक्ष के सहयोगी और सोनम सेन लगातार अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। मामला थाना कविनगर क्षेत्र का है।

सिविल कोर्ट राजनगर से जुड़ी अधिवक्ता शिवानी तोमर (चैंबर नं. 763, रजि. नं. ऊ/3496/2021) ने थाना कविनगर में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि वह एक मामले में पीड़िता भावना गौतम की ओर से पैरवी कर रही थीं। यह मुकदमा अपराध संख्या 300, थाना शालीमार गार्डन में दर्ज है, जिसमें धारा 376, 506 आईपीसी व एससी-एसटी एक्ट के तहत सरकार बनाम उत्तर कुमार के खिलाफ सुनवाई चल रही है।

अधिवक्ता ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में थाना कविनगर में शिकायत दी थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि अगर उनके या उनके परिवार के साथ कोई भी अनहोनी होती है तो उसके लिए कमिश्नर, डीसीपी सिटी, एसीपी कविनगर और थाना कविनगर के एसएचओ जिम्मेदार होंगे।

अधिवक्ता ने पुलिस प्रशासन से आरोपी पक्ष और सोनम सेन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि वकीलों को अदालत में न्याय दिलाने का काम सौंपा गया है, अगर उन्हें ही धमकियां दी जाएंगी तो न्याय प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा।

गाजियाबाद में महिला बोली – जान को खतरा, दबंगों ने की फायरिंग और तोड़फोड़!

अहम सत्ता

गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र के ग्राम इन्द्रनगरी में रहने वाली श्रीमती नीरज देवी ने अपने परिवार पर हमला और जान से मारने की धमकी का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, मोहल्ले के ही देशराज, प्रशांत, सूबे सिंह व अन्य परिजनों ने 8 नवंबर की रात शराब के नशे में आकर उनके बेटे से मारपीट की, घर में तोड़फोड़ की और फायरिंग भी की।

महिला का कहना है कि घटना की सूचना 112 नंबर पर देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। चौकी गार्डन एंक्लेव के पुलिसकर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्होंने पुलिस आयुक्त गाजियाबाद से न्याय की गुहार लगाई है।

नीरज देवी ने कहा कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो उनका परिवार असुरक्षित रहेगा। उन्होंने मामले की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, महिला आयोग और मानवाधिकार आयोग को भेजी है ताकि दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो सके।

गाजियाबाद में प्रेम संबंध के विवाद में हमला

युवती के परिजनों ने घर में घुसकर परिवार पर ईट-पत्थरों से किया हमला!

अहम सत्ता

गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के गांव समयपुर में प्रेम प्रसंग को लेकर दो परिवारों के बीच सोमवार की शाम खूनी संघर्ष हो गया। आरोप है कि युवती के परिजन नाराज होकर युवक के घर में घुस आए और पूरे परिवार पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। घटना में युवक और उसके माता-पिता को गंभीर चोटें आई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव समयपुर निवासी इन्द्रपाल पुत्र छोटे ने थाना मसूरी में दी तहरीर में बताया कि गांव की कोमल पुत्री ओमवीर उनके बेटे राहुल से फोन पर बातचीत करती थी। जब इन्द्रपाल ने इस बात पर आपत्ति जताई और बेटे को ऐसा न करने की हिदायत दी, तो इससे नाराज होकर युवती का परिवार आक्रोश में आ गया।

इन्द्रपाल के अनुसार, दिनांक 11 नवंबर 2025 को शाम लगभग 7:30 बजे, युवती के पिता ओमवीर पुत्र गंगादास, बाबू पुत्र बलजीत, कोमल पुत्री ओमवीर, कंधीद पुत्र बाबू और उनके साथ आए 4-5 अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने मिलकर उनके घर में जबरन घुसकर हमला कर दिया।

परिवार के सदस्यों इन्द्रपाल, उनकी पत्नी बिजेंद्रि, बेटे राहुल और सागर पर ईंट-पत्थरों और लाठियों से प्रहार किए गए, जिससे सभी को गंभीर चोटें आईं। ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर किसी तरह स्थिति को संभाला।

घटना के बाद घायल परिजन थाना मसूरी पहुंचे और सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग की। तहरीर में इन्द्रपाल ने बताया कि सभी हमलावर उन्हें जान से मारने की धमकी भी देकर फरार हो गए।

डासना में कूड़े का पहाड़ बना दूधिया पीपल डंपिंग ग्राउंड लगातार जलते कचरे से फैला जहरीला धुआं, जनता भड़की!

नगर पंचायत डासना व नगर निगम वेव सिटी पर कूड़ा फेंकने के आरोप; क्षेत्रीय लोगों ने चेताया – अगर प्रदूषण नहीं रुका तो धरना व NGT में शिकायत करेंगे

अहम सत्ता

गाज़ियाबाद। डासना क्षेत्र में पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है। दूधिया पीपल, इकला रोड के पास नगर पंचायत डासना, डासना देहात और नगर निगम वेव सिटी द्वारा लगातार कूड़ा डालने और जलाने से स्थानीय निवासियों का जीना मुहाल हो गया है। वर्षों पुराना कचरा यहां लाकर डंप किया जा रहा है और उसमें आए दिन आग लगाई जा रही है, जिससे चारों ओर धुआं और जहरीली बदबू फैल चुकी है।

स्थानीय नागरिकों ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर प्रशासन को सचेत किया है। वीडियो में क्षेत्रीय लोग खांसी, सांस लेने में परेशानी और बदबू की शिकायत करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि यह कूड़ा जलाना बंद नहीं किया गया, तो नगर पंचायत डासना और नगर निगम डासना देहात के कार्यालयों पर धरना देंगे।

समाजसेवी समर चौधरी ने भी इस मुद्दे पर आवाज उठाई है और इसे तत्काल रोकने की मांग की है। समर चौधरी ने कहा कि अगर प्रशासन ने अब भी ध्यान नहीं दिया, तो हम यह मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) में लेकर जाएंगे।

क्षेत्र में लगातार धुआं और दुर्गंध के कारण लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। नागरिकों का कहना है कि यह सिर्फ असुविधा नहीं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। प्रशासन की चुप्पी पर अब जनता का सब्र टूटता जा रहा है।

स्थानीय लोगों की मांग है कि डंपिंग साइट को तुरंत हटाया जाए, कचरा जलाने पर रोक लगे और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।

चढ़ रहा है चुनावी सर्वे का बाजार, चुनावी नतीजों के लिए एक्जिट पोल पर फोकस

कांतिलाल मांडोत

बहार में चुनाव का प्रचार और पार्टी क्रियान्वयन पिछले छह महीनों से लगातार चल रहा था। हाल ही सम्पन्न बिहार चुनाव के दौरान एक्जिट पोल पर नजर है।क्योंकि एजेंसी को छोड़कर सटीक सर्वेक्षण देना मुश्किल है।दरअसल, बाजार सर्वेक्षण के बड़ा हिस्सा है।जिसके तहत कम्पनिया कोई उत्पाद बाजार में उतारने या अपने किसी निजी कम्पनियो को फायदा है।राजनैतिक सर्वेक्षण के जरिये मोटा हिस्सा ले लेती है।

वोटरों का मिजाज भांपने के लिए 1980 के दशक के अंत में भारत मे पहली बार ओपिनियन पोल किया गया था। तब से अब तक चुनाव खत्म होते ही नेता,बुद्धिजीवी और जनता जनार्दन को एक ही दिलचस्पी रहती है कि आखिर जीत किसकी?कौन बनाएगा सरकार और किस दल का बनेगा मुख्यमंत्री?11 नवम्बर को बिहार के चुनाव पूर्ण हो गए है।14 नवम्बर को नतीजे आएंगे।लेकिन आज ही लोगो के मन मे कुतूहल पैदा हो गया है कि बिहार में सरकार किसकी बनेगी? नीतीश या महागठबंधन की।चुनावी सर्वेक्षण और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का जन्म एकसाथ हुआ है।चुनावी सर्वे की लोकप्रियता उतनी ही है,जब तक सटीक जानकारी उपलब्ध हो ।क्योंकि गलत नतीजे दर्शाए जाने वाले मीडिया घरानों को जनता विस्मृत कर देती है।आज कई सर्वे मीडिया घराने पर जनता भरोसा करती है।पिछले चार दशकों से ज्यादा समय से हर चुनाव के समय का अपरिहार्य बना दिया है।आज 11 नवम्बर को एकटकी लोग टीवी चैनल पर सर्वे के लिए इंतजार कर रहे है।बिना इन सर्वेक्षणों के अभाव में भारत मे चुनावो की कल्पना भी नही की जा सकती है।हालांकि कुछ समाचार चैनल तो साल में कई बार ऐसे सर्वेक्षण करवाते है और इसके जरिये सरकारों की लोकप्रियता को प्रभावित करने वाले मुद्दो की पडताल करते रहते है।ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि आखिर भारत मे इन सर्वेक्षणों का अर्थशास्त्र क्या है?आखिरी इन सर्वेक्षणों को करवाने से किसका भला होता है और यदि कोई संगठन पैसे देकर ऐसे सर्वेक्षण करवाता है तो उसका कोई निजी स्वार्थ भी इसमें जुड़ा होता है।

बिहार में चुनाव का प्रचार और पार्टी क्रियान्वयन पिछले छह महीनों से लगातार चल रहा था। हाल ही सम्पन्न बिहार चुनाव के दौरान एक्जिट पोल पर नजर है।क्योंकि एजेंसी को छोड़कर सटीक सर्वेक्षण देना मुश्किल है।दरअसल, बाजार सर्वेक्षण के बड़ा हिस्सा है।जिसके तहत कम्पनिया कोई उत्पाद बाजार में उतारने या अपने किसी निजी कम्पनियो को फायदा है।राजनैतिक सर्वेक्षण के जरिये मोटा हिस्सा ले लेती है।हालांकि यह देश की तेज गति से तरक्की करने वाले सेक्टर में से एक है।देश में दो सौ से ज्यादा सर्वेक्षण कम्पनिया है जिनकी पूरे देश मे पहुंच है ।बाकि अलग अलग शहरों में छोटे स्तर पर काम करती है।लेनदेन या पैसे के मामले में कोई विशेष फायदे नही है।फिर भी कम्पनिया इसलिए चुनावी सर्वे करवाती है कि इन्हें मुफ्त का प्रचार मिल जाता है।यदि किसी चैनल और मीडिया घराने ने ऐसी किसी एजेंसी को पैसे देकर सर्वे कराया तब तो लागत निकलने के साथ साथ कुछ फायदा भी हो जाता है।आज के दौर में चुनाव के पहले मिलने वाले सर्वे के इनपुट से कई दिनों तक पार्टी नेताओं की खुमारी बरकरार रहती है।नींद अच्छी आती है,जबकि विपरीत परिणाम वाले दलों और पार्टी नेताओं के चेहरे मुरझा जाते है।पिछले कई चुनाव में हम देख रहे है कि अलग अलग एजेंसियों के एक्जिट पोल के नितीजे अलग अलग आते है।इसके पीछे मुख्य वजह यह है कि सर्वे का काम सीटों की संख्या बताना नही है।यदि हम वोट शेयर की स्थिति देखेंगे तो पाएंगे कि प्रतिष्ठित कम्पनियो के सर्वे में पाटीर्या को मिलने वाले वोट को अनुमान कमोबेश एक जैसा ही होता है।मगर इन वोटो को सीट में बदलने का फामूर्ला अलग अलग अपनाने के कारण उनके सीटों के अनुमान में भारी अंतर हो जाता है।

भारत मे यह हाल है कि वोट शेयर के बावजूद सीटे ज्यादा आती है और ज्यादा सीटे वाली पार्टी विजय घोषित की जाती है।आज के समय में त्वरीत परिणाम की चाह में राजनीतिक दल हर सीमा लांघने के लिए तैयार रहते है।आज सभी की नजरें बिहार चुनाव पर होगी।भारत मे ओपीनियन पोल का पूरा फोकस सिर्फ इस बात पर रहता है कि किसी राजनैतिक दल की कितनी सीटे आएगी।क्योकि वोट शेयर से सरकार की हार जीत निश्चित नही की जाती है।लेकिन सर्वे का काम सीट बताना है।इनके द्वारा सटीक जानकारी तो नही मिलती है लेकिन हार जीत के समीप जरूर पहुंचा दी जाती है।सर्वे के लिए चुनाव के दौरान हर पत्रकार उस वोटर से मिलकर किस दल को वोट किया है।उसको जानने की जिज्ञासा रहती है और यही आधार सर्वे का हिस्सा बन जाता है।

भारत में मीडिया ने इसे सीटों की संख्या तक सीमित कर दिया है। रमेश कोठारी कहते हैं कि सर्वे के बाद मीडिया की खबरों को देखने से यह साफ हो जाता है कि सीट की संख्या के अलावा और कोई डाटा प्रकाशित या प्रसारित नहीं किया जाता क्योंकि मीडिया के दिग्गज मानते हैं कि बाकी डाटा से दर्शक या पाठक बोर हो जाते हैं। इस सोच ने इन सर्वेक्षणों को मजाक बना दिया है।

कई वर्ष पहले देश में सर्वे एजेंसियों पर किए गए स्टिंग ऑपरेशन से यह खुलासा हुआ है कि दरअसल पैसे देकर सीटों के इस खेल को कोई भी अपनी ओर मोड़ सकता है। इस स्टिंग के अनुसार अधिकांश छोटी एजेंसियां पैसे लेकर रॉ डाटा में बदलाव से लेकर अंतिम निष्कर्ष तक में बदलाव करने के लिए तैयार हो गई थीं। ऐसे में माना जाता है कि भारत में चुनावी सर्वे सिर्फ मीडिया हलचल भर बनकर रह गए हैं। अकसर देखा गया है कि न तो राजनीतिक दल उन्हें गंभीरता से लेते हैं और न ही आम जनता उसके आधार पर कोई राय कायम करती है।

हाल के समय में इन सर्वेक्षणों पर भरोसा कम हुआ है। राजूसिंह कहते हैं कि चुनावी सर्वे या फिर चुनाव बाद एक्जिट पोल की पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक पद्धति से होती है। मगर दिक्कत तब आती है जब उसमें निजी हित समाहित हो जाता है। ऐसे में सर्वेक्षण की पवित्रता प्रभावित होती है और इससे सही निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते। राजू कहते हैं कि इसी वजह से भारत में चुनावी सर्वेक्षणों के नतीजों में एकरूपता नहीं होती और इसी के कारण वे असली परिणामों से मेल भी नहीं खाते। किए जाने वाले चुनावी सर्वेक्षणों को मीडिया के जरिए लोगों के सामने पेश करने में उनका चेहरा ही एजेंसी की तरफ से सामने रखा जाता था। उसी के जरिए उन्हें आम जनता में बेहद लोकप्रियता भी मिली।

वैसे पिछले करीब 80 फीसदी चुनावों में सीटों का 95 फीसदी तक सही आकलन करने वाली एजेंसी कई है। वे चुनावी सर्वेक्षणों के लिए मार्केट रिसर्च एजेंसियों के अंतरराष्ट्रीय एसोसिएशन द्वारा तय गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करते हैं। हालांकी कई उन एजेंसी पर आरोप लगाते हैं कि वे सर्वे के हर स्तर पर कड़ी गोपनीयता बरतते हैं और कभी भी सवाल उठने के बावजूद अपने रॉ डाटा को सार्वजनिक नहीं करते। हालांकि ग्राहकों की निजता को मुख्य वजह बताते हैं।

आज अगर देश में सर्वेक्षणों की विश्वसनीयता खतरे में आ गई है तोउसके लिए पारदर्शिता का अभाव बड़ी वजह है। वैसे ओपिनियन पोल का एक दूसरा पहलू भी है। भले ही चैनलों पर दिखाए जाने वाले इन सर्वेक्षणों पर राजनीतिक दल भरोसा नहीं करते हों मगर अधिकांश दल राज्यो की स्थिति का जायजा लेने के लिए एक्जिट पोल की मदद लेते है।यह साफ है कि ओपिनियन पोल भले ही विश्वसनीयता खो रहे हों मगर उनका धंधा खत्म नहीं होने वाला। आने वाले समय में हमें और अधिक सर्वेक्षण देखने को मिलेंगे।

संपादकीय

सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति

भारत में सेवा क्षेत्र की केंद्रीय भूमिका है, लेकिन इसके भीतर अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। नीति आयोग ने समस्या पर रोशनी डाली है, लेकिन ठोस समाधान सुझाने में विफल रहा है। समस्या है सेवा क्षेत्र में रोजगार की खराब स्थिति। आयोग ने कहा है- ह्यभारतीय आर्थिक ढांचे में सेवा क्षेत्र केंद्रीय स्थल पर है, लेकिन इसके भीतर अनौपचारिक क्षेत्र का हिस्सा बेहद बड़ा है, जहां अधिकांश कर्मियों को रोजगार सुरक्षा या सामाजिक संरक्षण हासिल नहीं है। अर्थव्यवस्था में सबसे ज्यादा योगदान के बावजूद सेवा क्षेत्र के कर्मी निम्न वेतन जाल में फंसे हुए हैं। सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था में योगदान 55 फीसदी से अधिक है, मगर यह कुल रोजगार में इसका हिस्सा एक तिहाई ही है- और उसमें भी ज्यादातर कम वेतन वाली और अनौपचारिक नौकरियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 के अंत तक सेवा क्षेत्र में 18 करोड़ 80 लाख लोगों को काम मिला हुआ था। मगर रोजगार का यह क्षेत्र ह्यगहरे ढांचागत विभाजनह्ण का शिकार है। एक तरफ सूचना तकनीक, वित्त, स्वास्थ्य, और पेशेवर सेवाओं में उच्चस्तरीय रोजगार हैं, तो दूसरी ओर अनौपचारिक क्षेत्र है जिसके भीतर 55.7 प्रतिशत कर्मी स्वरोजगार श्रेणी में आते हैं। बिना सामाजिक सुरक्षा वाले वेतनभोगी कर्मियों की संख्या 29 फीसदी है। 9.2 प्रतिशत लोग घरेलू कामकाज में सहायक की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि 6.2 प्रतिशत दिहाड़ी मजदूर हैं। स्पष्ट है, सेवा क्षेत्र ज्यादातर कर्मियों को किसी तरह जीने का सहारा भर दे रहा है। लेकिन उससे ऐसे उपभोक्ता तैयार नहीं हो सकते, जो बाजार का विस्तार करें। तो आयोग ने कहा है कि सेवा क्षेत्र के लिए नए नीतिगत नजरिए की जरूरत है, जिसका मकसद इस क्षेत्र को औपचारिक रूप देना हो। मगर ऐसा कह भर देने से तो नहीं होगा! महिलाओं और युवाओं में कौशल विकसित करने, डिजिटल एवं ग्रीन अर्थव्यवस्था की तकनीक में निवेश करते हुए उसके लिए कर्मी तैयार करने, और संतुलित क्षेत्रीय विकास की नीतियां लागू करने जैसे नीति आयोग के सुझाव गौरतलब हैं।

विश्व दयालुता दिवसः दया के रंग से जीवन की कहानी को दें नया साज

दिलीप कुमार पाठक

दया देने की आदत है, दूसरों का बोझ हल्का करने की इच्छा, या बस एक मददगार हाथ या रोने के लिए कंधा देने की इच्छा। यह हमें मानवीय बनाती है। यह हमें आध्यात्मिक रूप से ऊपर उठाती है। और यह हमारे लिए अच्छा है। -मदर टेरेसा

साल भर में कई जागरूकता दिवस, सप्ताह और महीने होते हैं, लेकिन इस नवंबर में मेरे लिए सबसे खास है, क्योंकि 13 नवंबर को विश्व दयालुता दिवस मनाया जाता है, इस अंतरराष्ट्रीय उत्सव का लक्ष्य सरल है। जिसमें ऐसी दुनिया की कल्पना को साकार करना है जहां हम सभी के लिए दयावान बनें। दयालुता को अपवाद के बजाय मानक बनाना, इस उत्सव में अक्सर दयालुता के कुछ अनोखे कार्य करने के लिए समय निकालना, उसे आगे बढ़ाने के नए तरीके खोजना और व्यक्तियों को उन कार्यों से जोड़ना होता है जिनके लिए उनकी उदारता की आवश्यकता होती है। विश्व दयालुता दिवस एक ऐसा समय है, जब हम रुककर याद करते हैं कि दयालुता व्यक्तियों और समुदायों के जीवन को समान रूप से स्वस्थ और रूपांतरित कर सकती है। जैसा कि कहा जाता है, ऐसी दुनिया में जहाँ आप कुछ भी हो सकते हैं, दयालु बनें।

विश्व दयालुता दिवस की शुरूआत साल 1998 में वर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंट संगठन द्वारा की गई थी, जिसकी स्थापना 1997 के टोक्यो सम्मेलन में दुनिया भर के दयालु संगठनों द्वारा की गई थी। यह कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में मनाया जाता है। 2009 में, सिंगापुर ने पहली बार यह दिन मनाया इटली और भारत ने भी यह दिन मनाया। ब्रिटेन में विश्व दयालुता दिवस की सह-स्थापना 2010 में हुई, जब दया-संगठन के संस्थापक डेविड जेमिली ने माइकल लॉयड-व्हाइट के अनुरोध पर इस पहल को आगे बढ़ाया। माइकल ने न्यू साउथ वेल्स फेडरेशन ऑफ पैरेंट्स एंड सिटिजन्स एसोसिएशन को पत्र लिखकर एनएसडब्ल्यू शिक्षा मंत्री से इस दिन को स्कूल कैलेंडर में शामिल करने को कहा। इस सहयोग से ब्रिटेन में दया दिवस को आधिकारिक मान्यता मिली और हर साल 13नवंबर को मनाया जाने लगा। साथ ही यूनेस्को की एक संस्था, यूनेस्को- एमजीआईईपी, विश्व दयालुता दिवस को बढ़ावा देने में सक्रिय रही है, खासकर युवाओं को सामाजिक-भावनात्मक शिक्षा के माध्यम से दयालुता और सहानुभूति के लिए प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करके काम कर रही है।

इस दिन, प्रतिभागी, व्यक्तिगत रूप से या संगठनों के रूप में, अच्छे कार्यों का जश्न मनाकर, उन्हें बढ़ावा देकर और दयालुता के कार्यों का संकल्प लेकर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने का प्रयास करते हैं। दुर्भाग्य से, हम एक ऐसी दुनिया में रहते हैं जो तनाव, मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन के प्रति कलंक, हिंसा और ढेर सारे दुखों से ग्रस्त है। विश्व दयालुता दिवस वर्ष में एक ऐसा दिन है जब व्यक्ति दयालुता का अभ्यास करने और दूसरों के लिए अच्छे कार्यों का प्रसार करने के लिए अपनी क्षमता से आगे बढ़ सकते हैं। अपने शब्दों और व्यवहार के माध्यम से जानबूझकर दयालुता का अभ्यास करना आपकी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन सकता है। हमें अपने आचरण से अपनी अगली पीढ़ी को दयालु बनने की शिक्षा देनी चाहिए।

शोध से पता चला है कि दयालुता मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक, दोनों स्तरों पर खुशी और संतुष्टि से गहराई से जुड़ी हुई है। दयालुता कृतज्ञता, करुणा, सहानुभूति और आपसी जुड़ाव को बढ़ावा देती है। दूसरों के प्रति दयालु होने से, दूसरों को भी दयालुता का बदला चुकाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। दयालुता का अभ्यास करने से दोस्ती और रिश्ते भी मजबूत होते हैं, और आपके अपने सौभाग्य के प्रति जागरूकता बढ़ सकती है। शोधकर्ता बारबरा फ्रेडरिकसन के अनुसार, दयालुता तनाव को कम करने, हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और क्रोध, चिंता व अवसाद जैसी नकारात्मक भावनाओं को कम करने में भी मदद करती है।

दयालुता का मतलब यह नहीं है कि आपको पैसे खर्च करने पड़ें या मदद के लिए अपनी सीमा से बाहर जाना पड़े। दयालुता उन छोटे-छोटे कामों से भी हो सकती है जिनसे आप बिना समय निकाले दूसरों का बोझ हल्का कर सकें। ट्रैफि क में किसी को अपने आगे आने की अनुमति देना। बस, ट्रेन आदि पर बुजुर्गों, महिलाओ, बच्चों के लिए जगह छोड़ना, पड़ोसी से बात करने के लिए समय निकालना। अजनबियों और पड़ोसियों दोनों को नमस्ते कहना ह्लकृपयाह्व और ह्लधन्यवादह्व कहना। आसपास कूड़ा न फैलाना। किसी के लिए दरवाजा खुला रखना। किसी मित्र या अजनबी की अच्छी आदतों की प्रशंसा करना। अनावश्यक कपड़े और घरेलू सामान मुस्कुराते हुए दान करना। अपनी किराने का सामान खुद पैक करना। अपने समुदाय में किसी पशु आश्रय, नर्सिंग होम या इसी तरह के संगठन में स्वयंसेवा करें। किसी स्थानीय चैरिटी को दान देकर खुद एवं और लोगों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, इस खास दिन हम संकल्प लें कि इस दुनिया को हम और भी सुन्दर, दयावान एवं करुणामयी बनाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

गाजियाबाद में बढ़ते प्रदूषण के बीच नर्सरी से कक्षा 5 तक ऑनलाइन कक्षाओं के आदेश

अहम सत्ता

गाजियाबाद। जिले में बढ़ते वायु प्रदूषण के गंभीर स्तर को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए नर्सरी से कक्षा 5 तक की सभी कक्षाएं अब ऑनलाइन मोड में संचालित करने के आदेश जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि यह आदेश 13 नवंबर से प्रभावी होगा और अगले निर्देश तक लागू रहेगा।

इस आदेश के तहत जिले के सभी सरकारी और निजी स्कूलों को अपने विद्यार्थियों की पढ़ाई ऑनलाइन माध्यम से जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है ताकि उन्हें प्रदूषण से होने वाली बीमारियों से बचाया जा सके।

सिर्फ स्कूल ही नहीं, बल्कि जिले के सभी कोचिंग सेंटरों पर भी यह नियम लागू होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संस्था द्वारा आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

अहम सत्ता
(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)
RNI NO: UPHIN/2021/86326

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक शकील अहमद द्वारा वैकुंठ मीडिया प्रा.लि. सी-285, सेक्टर-11, विजयनगर गाजियाबाद से छपवाकर प्रथम तल, चौधरी काम्पलेक्स, निकट कल्लू की आरा मशीन, डासना स्टैंड, एन.एच.-9, गाजियाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक : शकील अहमद
मो.: 9990200332

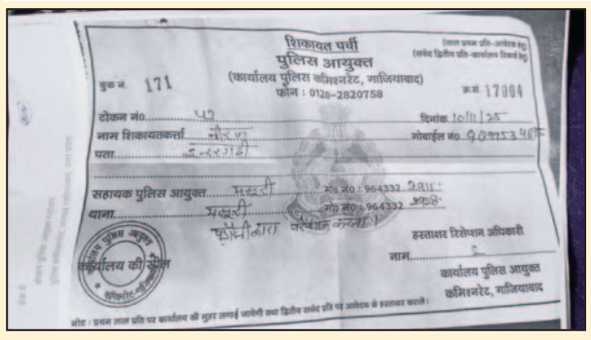

गाजियाबाद मसूरी क्षेत्र में परिवार से मारपीट और धमकी का मामला, पीड़िता ने कमिश्नर से की शिकायत

दर्ज करने हेतु प्रार्थना पत्र।
महोदय,
निवेदन यह है कि प्रार्थिनी श्रीमती नीरज पत्नी श्री सत्यप्रकाश, निवासिनी: ग्राम इन्दरगढ़ी, थाना मसूरी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश की निवासिनी है। प्रार्थिनी के पड़ोस में कुछ गुंडे किस्म के व्यक्ति रहते है जिनके नाम प्रशांत एवं सूबे सिंह, पुत्रगण देशराज एवं देशराज, निवासीगण उपरोक्त हैं। देशराज बेहद बेशर्म एवं अय्याश किस्म का व्यक्ति है तथा गली में आने-जाने वाली महिलाओं तथा पड़ोस में रहने वाली महिलाओं को देखकर अश्लील फब्तियां कसता है तथा किसी भी महिला के घर में घुसकर बदतमीजी करता है। प्रार्थिनी के साथ भी देशराज छेड़खानी करता है तथा गली में आते-जाते हुए अश्लील फब्तियां कसता है एवं विरोध करने पर गन्दी-गन्दी गालियां देता है तथा इसके पुत्रगण प्रशांत एवं सूबे सिंह, अवैध देसी तमंचे तथा चाकू से गली के लोगों में भय व्याप्त किए हुए है तथा मोहल्ले में दहशत फैला रखी है। उपरोक्त व्यक्ति कई बार जेल भी जा चुके हैं।
दिनांक 08/11/2025, समय करीब रात्रि करीब 8.30 बजे प्रार्थिनी का पुत्र प्रभात अपने चाचा के घर जा रहा था तो प्रशांत ने शराब के नशे में प्रार्थिनी के पुत्र के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी तथा अवैध देसी तमंचा निकालकर फायरिंग करने लगा एवं इतने में देशराज, सूबे सिंह, देशराज की पत्नी सुरेश एवं पुत्रियां प्रियंका तथा ज्योति भी बाहर निकल आये तथा प्रार्थिनी के पुत्र के साथ गाली-गलौच व लड़ाई-झगड़ा करने लगे। प्रार्थिनी के पुत्र ने डायल 112 पर फ़ोन किया जिसका इवेंट नंबर P08112520253 है, पुलिस आयी परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गयी अपितु देशराज एवं इसके परिवारजन ने प्रार्थिनी के पुत्र को अपनी पुत्रियों के साथ छेड़खानी के झूठे मुकदमे में फंसवाने की धमकी दी तथा स्थानीय पुलिस में झूठी शिकायत दी। प्रार्थिनी ने गार्डन एन्क्लेव चौकी में शिकायत की परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गयी अपितु देशराज की झूठी शिकायत पर पुलिस प्रार्थिनी के पुत्र को मध्य रात्रि करीब 2.30 बजे घर से उठाकर पुलिस चौकी गार्डन एन्क्लेव लेकर गयी जिस पर प्रार्थिनी द्वारा पुनः डायल 112 पर फ़ोन किया जिसका इवेंट नंबर P09112500994 है, जिसके पश्चात प्रार्थिनी के पुत्र को छोड़ा गया। प्रार्थिनी ने देशराज तथा इसके परिवारजन के
Page 1 of 2

अहम सत्ता

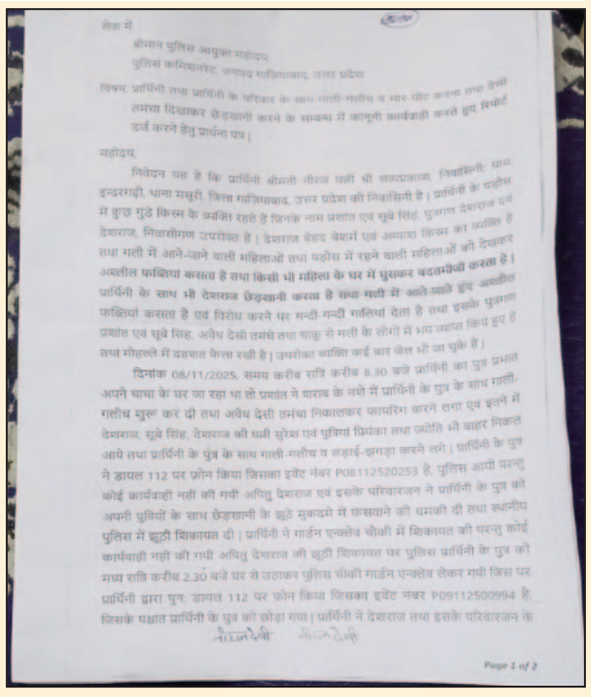

गाजियाबाद के थाना मसूरी क्षेत्र के ग्राम इन्द्रनगरी में रहने वाली महिला ने अपने परिवार के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी का गंभीर आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता श्रीमती नीरज देवी ने पुलिस आयुक्त गाजियाबाद को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि मोहल्ले के ही कुछ लोगों देशराज, प्रशांत, सूबे सिंह व अन्य परिजनों ने उनके घर के बाहर आकर कई बार गाली-गलौज की और फायरिंग भी की। विरोध करने पर महिला और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई।

महिला ने बताया कि 8 नवंबर की रात आरोपियों ने शराब के नशे में आकर उनके बेटे के साथ मारपीट की और घर में तोड़फोड़ की। घटना की सूचना 112 नंबर पर देने के बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। आरोप है कि चौकी गार्डन एंक्लेव के पुलिसकर्मी शिकायत को हल्के में लेकर टालमटोल कर रहे हैं।

पीड़िता ने यह भी कहा कि अगर आरोपियों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वह और उनका परिवार असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने इस मामले की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, महिला आयोग, मानवाधिकार आयोग, पुलिस महानिदेशक समेत कई अधिकारियों को भेजी है ताकि सख्त कानूनी कार्रवाई हो सके।

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

साप्ताहिक अहम सत्ता समाचार पत्र व यूट्यूब चैनल में विज्ञप्ति, विज्ञापन जैसे नाम परिवर्तन, खोया- पाया, संबंध विच्छेद, जीडीए सूचना व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए संपर्क करें।

कार्यालय-
प्रथम तल, चौधरी काम्पलेक्स,
निकट कल्लू की आरा मशीन,
डासना स्टैंड, एन.एच.-9, गाजियाबाद।
व्हाट्सएण्प नंबर-9990200332

प्रिय पाठको
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या हम उसे निष्पक्षता और प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

साप्ताहिक
अहम सत्ता
First Floor, Choudhary Complex, near Kallu ki Aara Machine, Dasna stand, NH-09,Ghaziabad
Contact-999020332
Email- ahamsatta@gmail.com,
www.ahamsatta.com

मुख्य संपादकः शकील अहमद, समाचार संपादकः- चौधरी अफसर, उप संपादकः- रवि कुमार

संरक्षकः- हाजी शाहिद अखलाक, हाजी मेहरबान कुरैशी, पंडित प्रदीप शर्मा, व कुँवर अय्यूब अली

केरल के चिड़ियाघर में कुत्तों का आतंक, 10 हिरणों को नोंच-नोंचकर खा गए

तिरुवानंतपुरम (एजेंसी)। कुत्तों के बढ़ते आतंक ने पूरे देश की नाक में दम कर रखा है। सुप्रीम कोर्ट को भी इसमें दखल देना पड़ा और कहना पड़ा कि सार्वजनिक स्थलों से कुत्तों को तत्काल हटाया जाए। इनका सफाया होता इससे पहले केरल के चिड़ियाघर से कुत्तों के आतंक की खबर आ गई। जहां करीब 10 हिरण का शिकार कुत्ते कर चुके हैं। चिड़ियाघर के निदेशक नागराज ने इस मामले पर कुछ भी कहने से इनकार किया है। वहीं, अधिकारियों ने सीसीटीवी फुटेज भी जारी नहीं किया है, जिससे घटना की सच्चाई पर और सवाल खड़े हो रहे हैं। केरल के त्रिशूर जिले में बने नए पुथुर जूलॉजिकल पार्क में एक बड़ी घटना हुई है। पार्क में घुसे आवारा कुत्तों ने 10 हिरणों को मार डाला। इस हादसे से चिड़ियाघर की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ गए हैं। यह वही चिड़ियाघर है, जिसे खुले हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है। हाल ही में पार्क ने आगंतुकों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किया था। फिलहाल यहां सिर्फ स्कूल और कॉलेज के ग्रुप्स को ही आने की अनुमति है। आम जनता के लिए यह पार्क अभी खुला नहीं है। पुथुर जूलॉजिकल पार्क का उद्घाटन मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 28 अक्टूबर को किया था। यह पार्क 336 एकड़ में फैला एशिया का दूसरा सबसे बड़ा और भारत का पहला 'डिजाइनर चिड़ियाघर' माना जा रहा है। पार्क में 80 प्रजातियों के 534 जानवरों को 23 खुले और प्राकृतिक स्थानों पर रखा जाना है। पुराने चिड़ियाघर के जानवरों को धीरे-धीरे यहां लाया जा रहा है। इसका डिजाइन ऐसा रखा गया है कि जानवरों को खुले और प्राकृतिक माहौल का अनुभव मिले। लेकिन जिस खुलेपन को कभी सुविधा समझा गया, आज वही सुरक्षा के लिए जोखिम बन गया है। सूत्रों के अनुसार, वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ अरुण जकारिया की टीम ने मंगलवार को पार्क का दौरा किया और जांच शुरू की। अधिकारियों ने कहा कि हिरणों की मौत का असली कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

हापुड़ पुलिस ने चेकिंग में कार से बरामद किया 37 किलो हाइड्रो फ्लोरिड

हापुड़ (एजेंसी)। दिल्ली कार विस्फोट मामले के बाद पूरे यूपी में अलर्ट जारी किया गया है। इसके चलते हापुड़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार से केमिकल बरामद किया है। पुलिस ने 37 किलो हाइड्रो फ्लोरिड बरामद किया है। आरोपी हरियाणा से केमिकल लेकर आ रहा था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हापुड के पिलखुवा एनएच9 का मामला है। वहीं दूसरी तरफ डॉक्टर शाहीन का कानपुर कनेक्शन आने के बाद एटीएस के साथ कानपुर कमिश्नरेट पुलिस भी अलर्ट है। एटीएस की टीम ने दूसरे दिन भी कानपुर में डेरा डाल रखा है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ कैंपस में 2006 के दौरान पोस्टेड रहे डॉक्टर से पूछताछ कर सकती है। एटीएस कानपुर यूनिट की टीम आज कन्नौज जा सकती है। कानपुर कमिश्नर के निर्देश पर गठित की गई स्पेशल टीम-3 डॉ शाहीन से जुड़े लोगों की जानकारी जुटाने में जुटी है। जानकारी के मुताबिक 2006 से 2012 में मेडिकल कॉलेज कैंपस विभाग में कार्यरत डॉक्टर और स्टाफ से भी जानकारी जुटाई जा रही है। स्पेशल टीम-3 डॉ शाहीन के पूर्व पति से भी पूछताछ कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक साल 2015 में शाहीन का तलाक हुआ था।

बैडमिंटन खेलते हुए 56 वर्षीय कारोबारी की मौत, सर्दियों हार्ट अटैक के मामले बढ़े

कानपुर (एजेंसी)। सर्दियों के आते ही हार्ट अटैक के मामले बढ़ने लगे हैं। हृदय की सर्जरी व क्रोनिक बीमारी बीपी, डायबिटिक के मरीजों में इसका खतरा ज्यादा देखा जा रहा है। इसके मरीजों की संख्या हृदय रोग संस्थान में बढ़ गई है। बुधवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे ग्रीन पार्क स्टेडियम के बैडमिंटन कोर्ट खेल रहे 56 वर्षीय प्रशांत गुप्ता की अचानक मृत्यु हो गई। मौके पर मौजूद सीपीआर विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप टंडन ने सीपीआर देकर बचाने की कोशिश की। लेकिन पहले से हृदय के रोगी प्रशांत की रास्ते में मौत हो गई। जांच में सामने आया है कि प्रशांत गुप्ता की पूर्व में हृदय सर्जरी हो चुकी है, उनके हार्ट में स्टेंट डाले थे। ग्रीन पार्क के बैडमिंटन कोच ने बताया कि गुप्ता कई वर्षों से बैडमिंटन खेलने के लिए स्टेडियम आ रहे हैं। बुधवार को सुबह करीब सवा सात बजे खेलने पहुंचे गुप्ता करीब आधा घंटे खेलने के बाद बैठ गए। इस दौरान वे बेसुध हो गए जिन्हें बैडमिंटन कोर्ट में मौजूद सीपीआर विशेषज्ञ डा. टंडन ने नब्ज की जांच करने के बाद सीपीआर दिया। डाक्टर टंडन ने बताया कि प्रशांत की सांस उखड़ती देखकर करीब 10 मिनट सीपीआर देकर हृदय रोग संस्थान तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि बैडमिंटन कोर्ट में बिना देरी किए सीपीआर देने के साथ ही सोर्बिट्रेट की गोली भी दे दी गई थी लेकिन एंबुलेंस से कार्डियोलाजी के रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

क्या एसआईआर के दबाव में आकर टीचर ने किया सुसाइड....परिजनों ने बताया

दतिया (एजेंसी)। दतिया जिले में टीचर के सुसाइड का मामला प्रकाश में आया है। यह घटना स्कूल खुलने से कुछ देर पहले हुई, जब टीचर स्कूल पहुंचे और कमरे की खिड़की के पास फांसी लगा ली। पुलिस ने बताया कि सालोन बी गांव स्थित हाई स्कूल का मामला है। टीचर उदय भान ने स्कूल के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। हालांकि, जहां टीचर का शव फंदे से लटका मिला है, वहां ऊंचाई कम होने के कारण पुलिस और लोगों को यह गंभीर संदेह है कि कहीं यह आत्महत्या न होकर मामला कुछ और तो नहीं है। मृतक शिक्षक भान के भाई ने घटना के पीछे प्रशासनिक दबाव को मुख्य कारण बताया है। बताया कि भान एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण में ड्यूटी लगने के बाद से ज्यादा तनाव ले रहे थे। ज्यादा डिप्रेशन में थे, क्योंकि अधिकारियों का बार-बार ऊपर से दबाव भी आता था। परिजन ने बताया कि टीचर भान कंप्यूटर और मोबाइल ज्यादा नहीं चला पाते थे और प्रशासन के अधिकारी उन पर लगातार दबाव बना रहे थे। भाई ने कहा कि घर के बच्चों ने बताया कि वह बहुत ज्यादा तनाव ले रहे थे और गहरे डिप्रेशन में थे।

बम की धमकी के बाद एयर इंडिया की मुंबई से आ रही फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

वाराणसी (एजेंसी)। मुंबई से उप्र के वाराणसी आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में बम की धमकी मिली है। जिसके बाद वाराणसी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। विमान में बम की सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में है। विमान की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद जांच की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

नोएडा-एनसीआर में हवा हुई दूषित, कई सेक्टरों में एक्युआई 400 से ऊपर

खांसी-जुकाम, बुखार, सांस फूलना और आंखों में जलन जैसे मामले बढ़ रहे

नोएडा (एजेंसी)। नोएडा-एनसीआर की हवा बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गई है। बीते दिन सुबह कई सेक्टरों में एक्युआई 420 से ऊपर दर्ज किया गया, जो बहुत ही गंभीर श्रेणी मानी जाती है। ऐसे में कोई अस्थमा का मरीज, हार्ट पेशेंट, या प्रेग्नेंट महिला है तो थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी परेशानी में बदल सकती है। प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के मुताबिक बारिश या ठंडी हवाओं के बिना फिलहाल हालात सुधरेंगे नहीं।

मीडिया रिपोर्ट में डॉ. मीरा पाठक के हवाले से बताया गया है कि हाई पॉल्यूशन का मतलब सिर्फ हवा गंदी होना नहीं, बल्कि हवा में ऐसे केमिकल और कणों का बढ़ जाना है, जो सीधे शरीर की कोशिकाओं, हार्मोन्स और सांस की नलियों पर हमला करते हैं। यही वजह है कि इन दिनों खांसी-जुकाम, बुखार, सिरदर्द, सांस फूलना और आंखों में जलन जैसे मामले अस्पतालों में तेजी से बढ़ रहे हैं। पहला असर दिमाग पर पड़ता है, ब्रेन फॉग यानी दिमाग थका-थका, धीमा और उलझा हुआ महसूस होता है।

डॉ. पाठक के मुताबिक गर्भवती महिलाओं को ज्यादा सावधानी रखने की जरूरत है। हवा में मौजूद पॉल्यूटेंट प्लेसेंटा के जरिए बच्चे तक पहुंच सकते हैं, जिससे शुरुआती महीनों में मिसकैरेज और ब्लीडिंग का खतरा बढ़ जाता है। वहीं आगे चलकर फीटल ग्रोथ, ब्रेन डेवलपमेंट और यहां तक कि प्रीमैच्योर डिलीवरी की संभावना भी बढ़ जाती है। इसलिए ऐसे समय में बाहर जाने पर एन-95 मास्क जरूरी है और घर में एयर प्यूरीफायर हो तो बढ़िया, नहीं तो स्नेक प्लांट, स्पाइडर प्लांट और मनी प्लांट जैसे प्राकृतिक विकल्प भी कारगर है।

खाने-पीने में हल्दी, गुड़, आंवला, संतरा, नींबू, अदरक, और हरी सब्जियां शरीर के अंदर इम्युनिटी शील्ड की तरह काम करती है। पानी खूब पिएं, गरम पानी और काढ़ा भी लाभकारी है। कोई भी लक्षण जैसे सांस में समस्या, तेज खांसी, सीने में दर्द या लगातार थकावट महसूस हो तो तुरंत नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें। इस मौसम में बाहर घूमना खतरा है।

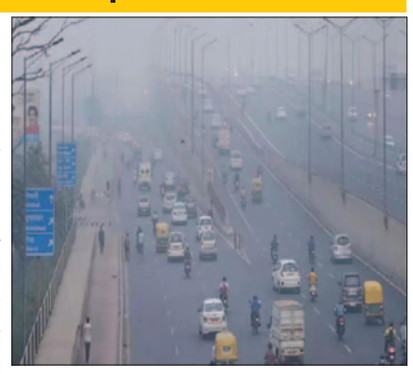

बता दें बुधवार सुबह नोएडा में हवा की गुणवत्ता तेजी से गिरी। सेक्टर 76, 75, 74 और 78 की तरफ एक्युआई 424 दर्ज किया गया। वहीं सेक्टर 1, 2, 3, 5, 6 और 15 में भी यह स्तर 412 तक पहुंचा। इसके अलावा सेक्टर 125, 126 और 128 की तरफ 425 का स्तर रिकॉर्ड किया गया। ग्रेटर नोएडा में थोड़ी राहत जरूर दिखी, लेकिन वहां भी हवा 'खराब' श्रेणी में रही, जहां एक्युआई 404 दर्ज किया गया और सेक्टर 62 के आसपास एक्युआई 446 दर्ज किया गया।

बता दें 0 से 50 अच्छा जिसमें सांस लेने में कोई दिक्कत नहीं होती है। 51 से 100 के बीच संतोषजनक जिसमें संवेदनशील लोगों को हल्की परेशानी होती है। 101 से 200 मध्यम में बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा रोगियों को परेशानी होती है। 201 से 300 के बीच खराब होता है और इसमें सामान्य लोगों को भी खांसी, गले में जलन होती है। 301 से 400 बहुत खराब श्रेणी में आता है, जिसमें सांस की तकलीफ, आंखों में जलन के साथ और कई तरह की समस्या होने लगती है। 400 से ऊपर बहुत गंभीर श्रेणी में रखा जाता है, जिसमें स्वास्थ्य पर गंभीर असर, अस्पताल में भर्ती तक की नौबत आ सकती है।

स्वस्थ होकर घर पहुंचे अभिनेता धर्मेंद्र, डॉक्टर बोले- घर पर देख-रेख करेगा परिवार

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीबुड के ही-मैन कहे जाने वाले फिल्म अभिनेता धर्मेंद्र अब पूरी तरह स्वस्थ होकर अस्पताल से अपने घर पहुंच गए हैं। उन्हे 1 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार सुबह एक एम्बुलेंस में उन्हें घर ले जाया गया। परिवार ने एक्टर को घर ले जाने का तय किया है, जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल से डिसचार्ज कर दिया गया है। सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हें मुंबई के निजी अस्पताल में भर्ती किया किया था, डॉक्टर्स उनकी सेहत पर लगातार नजर बनाए हुए थे और देशभर से फैंस उनकी सेहत के लिए दुआ कर रहे थे। लेकिन बुधवार को उन्हें

हॉस्पिटल से डिसचार्ज करके घर ले जाने की खबर आई है। बता दें कि बीती रात बॉबी देओल, सनी देओल और धर्मेंद्र के पोतों (करण और राजवीर) को हॉस्पिटल से वापस लौटते देखा गया था। उनके चेहरों के हावभाव फैंस की चिंता और भी ज्यादा बढ़ा रहे थे। लेकिन इस बीच एक्टर को हॉस्पिटल से डिसचार्ज किया जाना उनके फैंस के लिए राहत की खबर हो सकती है। धर्मेंद्र के कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं जिनमें एक एम्बुलेंस को ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल से बाहर आते देखा जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक धर्मेंद्र का इलाज कर रहे डॉक्टर प्रतीत समदानी ने बताया, धर्मेंद्रजी को सुबह करीब 7.30 बजे के करीब हॉस्पिटल से डिसचार्ज कर दिया गया है। उनका इलाज घर पर चलता रहेगा क्योंकि परिवार ने घर पर ही उनका ट्रीटमेंट करवाने का फैसला किया है। धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल ने बताया था कि धर्मेंद्र की हालत में सुधार है और पत्नी हेमा मालिनी ने मीडिया से निजता बनाए रखने का आग्रह किया था। मंगलवार रात तक हॉस्पिटल में धर्मेंद्र से मिलने के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहा।

बंगाल और तमिलनाडु ने की एसआईआर पर रोक की मांग, सुनवाई 26 को

-सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा- वे एसआईआर में सुधार के सुझाव दे सकते हैं

नई दिल्ली(एजेंसी)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के सियासी दलों और नेताओं ने याचिका दाखिल की है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई की। अब सुप्रीम कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। पीठ ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि आप सभी को एसआईआर प्रक्रिया को हर मतदाता तक पहुंचाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके बाद अंतरिम रोक की मांग पर नोटिस जारी करके चुनाव आयोग से 24 नवंबर तक जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी।

डीएमके और टीएमसी याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने एसआईआर पर रोक लगाने की मांग की तो कोर्ट ने हैरानी जताई। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जयमाल्या बागची की युगलपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता मतदाता सूची में सुधार का विरोध क्यों कर रहे हैं? पीठ ने आगे कहा कि वे एसआईआर में सुधार के सुझाव दे सकते हैं। सिब्बल ने तर्क दिया कि जब उत्तर पूर्व मानसून सक्रिय होता है तो राज्य में नवंबर और दिसंबर में भारी बारिश होती है। ऐसे में बीएलओ/ईआरओ/एईआरओ की ड्यूटी बाढ़ राहत में लगी होगी। लोग भी बाढ़ की तैयारी में होंगे। ऐसे में यह समय एसआईआर के लिए उपयुक्त नहीं है।

एक अन्य तर्क में सिब्बल ने कहा कि दिसंबर और जनवरी में फसल कटाई का समय होता है। इस वक्त ज्यादातर किसान एसआईआर में हिस्सा लेने की खातिर अपने घरों पर उपलब्ध नहीं होंगे। आगे क्रिसमस और पोंगल की छुट्टियां हैं। इस सभी वजह से लोग 24 दिसंबर से 18 जनवरी तक उपलब्ध नहीं होंगे। कपिल सिब्बल ने दावा किया कि पहले एसआईआर लंबे समय तक चलाया जाता था, जबकि अब चुनाव आयोग इसे केवल एक महीने तक चला रहा है। इससे लाखों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं।

टीएमसी सांसद अपनी याचिका में तर्क दिया कि पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में 4जी और 5जी मोबाइल सेवा उपलब्ध नहीं है। इस कारण चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपना डेटा अपलोड करने और सुधार करने में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने चुनाव आयोग का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि जब मतदाता सूची में सुधार की बात आती है तो राज्य के यह दिखाने के लिए मुकाबला होता है कि वे कितने पिछड़े हैं।

उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना की अपील

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के तिरुपति बालाजी मंदिर में लड्डू (प्रसादम) में इस्तेमाल होने वाले कथित नकली घी विवाद के बीच उप मुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण ने हिन्दुत्व और सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना की अपील की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पवन कल्याण ने कहा कि सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जा रहा है और उन्हें कमतर आंका जा रहा है, इससे करोड़ों भक्तों का विश्वास कम हो रहा है। उप-मुख्यमंत्री ने लिखा, वैश्विक हिंदू समुदाय के लिए, तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम एक तीर्थस्थल से कहीं बढ़कर है, यह एक पवित्र आध्यात्मिक प्रवास है। तिरुपति लड्डू सिर्फ एक मिठाई नहीं है, यह एक साझा भावना है। हम लडडूओं को दोस्तों, परिवार और अजनबियों के बीच समान रूप से बाँटते हैं, क्योंकि यह हमारी सामूहिक आस्था और गहन विश्वास का

प्रतीक है।

उन्होंने लिखा, 'औसतन, हर साल करीब 2.5 करोड़ भक्त तिरुमाला आते हैं और जब सनातनियों की भावनाओं और प्रथाओं का मजाक उड़ाया जाता है या उन्हें कमतर आंका जाता है, तब यह न केवल आहत करने वाला होता है; बल्कि यह दुनिया भर के लाखों लोगों के विश्वास और श्रद्धा को भी चकनाचूर कर देता है। धर्मनिरपेक्षता दोतरफा होनी चाहिए।'

सनातन धर्म के लिए संरक्षण निकाय की स्थापना का आह्वान कर कल्याण ने कहा कि बोर्ड का गठन सभी हितधारकों की सहमति से होना चाहिए। उन्होंने लिखा, हमारी आस्था की सुरक्षा और सम्मान से समझौता नहीं हो सकता। हमारा सनातन धर्म सबसे प्राचीन और निरंतर विकसित होती सभ्यताओं में से एक है, और अब समय आ गया है कि हम सभी हितधारकों की सहमति से सनातन धर्म परीक्षण बोर्ड की स्थापना करें।

वहीं एक अन्य एक्स पोस्ट में उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि 2019 से 2024 के बीच तिरुपति लड्डुओं में 250 करोड़ के मिलावटी घी का इस्तेमाल हुआ है। यह मामला तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व कार्यकारी अधिकारी धर्म रेड्डी के मिलावटी घी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश होने के बाद आया है।

इस बीच, एसआईटी ने टीटीडी के पूर्व अध्यक्ष वाईवी सुब्बा रेड्डी को ऑनलाइन नोटिस जारी कर 13 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने एक हफ्ते का समय मांगकर कहा है कि वह 15 नवंबर के बाद पेश हो सकते है।

शिवसेना कार्यकर्ताओं की पार्टी है, किसी एक व्यक्ति की नहीं : एकनाथ शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि शिवसेना हमेशा अपने जमीनी कार्यकर्ताओं के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी। राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और समुदायों से जुड़े कई नेता और सदस्य मुंबई में उनके आधिकारिक मुक्तागिरी निवास पर पार्टी में शामिल हुए। पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए एकनाथ शिंदे ने कहा कि शिवसेना कार्यकर्ताओं की पार्टी है जहां काम करने वालों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा आम लोगों, पिछड़े वर्गों और जमीनी स्तर पर काम करने वालों के कल्याण के लिए कोशिश करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य भर में हर दिन हजारों कार्यकर्ता पार्टी में शामिल हो रहे हैं, जो शिवसेना के नेतृत्व और विचारधारा में लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। शिंदे ने कहा कि राज्य के सीएम रहते हुए भी मैंने एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम किया और अब भी करता हूं। यह पार्टी कार्यकर्ताओं की है, किसी एक व्यक्ति की नहीं।

वायु प्रदूषण पर सख्त सुप्रीम कोर्ट, पंजाब और हरियाणा से पराली जलाने से रोकने उठाए कदमों का डेटा मांगा

-इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा की सरकारों को पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों का डेटा प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा सरकारों को उनके राज्यों में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए उठाए गए कदमों का डेटा एक सप्ताह के भीतर पेश करने का निर्देश दिया है। एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) ने बताया कि वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों का डेटा या अपलोड नहीं हो रहा है या गलत डेटा अपलोड किया जा रहा है। दिल्ली में खतरनाक श्रेणी की हवा के कारण इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार को होगी।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सीज़न में पराली जलाने की

घटनाओं को कंट्रोल करने में जिले की खराब स्थिति के लिए फतेहाबाद के उपायुक्त (डीसी) विवेक भारती को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। डीसी को 17 नवंबर, 2025 की शाम 5:00 बजे तक लिखित स्पष्टीकरण मांगा गया है। जवाब नहीं मिलने पर सीएक्यूएम अधिनियम की धारा 14 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। आयोग ने 1 से 9 नवंबर के बीच फतेहाबाद में खेतों में आग लगने की घटनाओं में महत्वपूर्ण तेजी पर चिंता जाहिर की है। 15 सितंबर से 9 नवंबर के बीच कुल 59 मामले दर्ज किए गए। सिर्फ 8 और 9 नवंबर को ही 28 मामले दर्ज हुए। सीएक्यूएम ने कहा कि बार-बार निर्देशों के बावजूद पर्याप्त पर्यवेक्षण और कार्रवाई लागू नहीं की गई। वहीं सीएक्यूएम ने बताया कि हरियाणा में इस साल खेतों में आग लगने की 206 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह संख्या 888 थी। लेकिन आयोग ने इसे सिर्फ मामूली सुधार बताया। सीएक्यूएम ने मई 9, 2025 के निर्देश का भी जिक्र किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश को 2025 की कटाई के मौसम के दौरान पराली जलाने को पूरी तरह से समाप्त करने का निर्देश दिया गया था। सीएक्यूएम अधिनियम की धारा 14(1) के तहत आयोग के आदेशों का पालन न करने पर पांच साल तक की जेल या 1 करोड़ तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। आयोग ने चेतावनी दी है कि यदि डीसी निर्धारित समय तक स्पष्टीकरण नहीं देते हैं, तब अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में जमात के 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापे

-आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल उपकरण जब्त, 500 से ज्यादा से पूछताछ

जम्म (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में पुलिस ने बुधवार को जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ कार्रवाई की। इस कार्रवाई में 200 से ज्यादा ठिकानों पर छापे मारे गए और आपत्तिजनक सामग्री व डिजिटल उपकरण जब्त किए। यह कार्रवाई दिल्ली विस्फोट और एक अंतरराज्यीय सफेदपोश आतंकवादी मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद की गई है। अधिकारियों ने बताया कि शोपियां, कुलगाम, बारामूला और गांदरबल जिलों में कई स्थानों पर छापे मारे गए। उन्होंने बताया कि जेईआई सदस्यों और उनके साथियों के आवासों और परिसरों पर छापे मारे गए और तलाशी ली गई। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्रवाई जमीनी स्तर पर आतंकवादी ढांचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा है। अभियान जारी है अभी विस्तृत जानकारी नहीं मिली है। बता दें पिछले चार दिनों में 500 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की गई है, जिनमें से कई को हिरासत में लिया गया और जिले में सुरक्षाकर्मियों द्वारा 400 घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए हैं। एक पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि कुलगाम पुलिस ने प्रतिबंधित जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, जिसके शीर्ष नेता 2019 के केंद्र सरकार के प्रतिबंध के बाद कश्मीर के अंदर और बाहर जेलों में बंद थे। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि जमीनी स्तर पर आतंकवादी तंत्र और उसके समर्थन ढांचे को ध्वस्त करने के निरंतर प्रयासों के तहत जमात के सदस्यों और उनके सहयोगियों के घरों और परिसरों पर छापे मारे। उन्होंने कहा कि छापेमारी में आपत्तिजनक सामग्री और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं और कई जमात-ए-इस्लामी सदस्यों से पूछताछ की गई और आतंकवाद को मदद देने वाले नेटवर्क का पता लगाने और उन्हें नष्ट करने के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया है। कुलगाम जिले में पुलिस ने पिछले चार दिनों में सैकड़ों आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि पिछले चार दिनों में जिले के कई इलाकों में 400 से ज्यादा घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए गए।

कार धमाके से हमारी यूनिवर्सिटी का कोई लेना-देना नहीं, फैलाई जा रही गलत बातें

-परिसर में जितनी भी प्रयोगशालाएं उनका इस्तेमाल सिर्फ अध्ययन के लिए

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के भंडाफोड़ और दिल्ली के लाल किले के पास हुए कार धमाके के बाद अल फलाह यूनिवर्सिटी का नाम चर्चाओं में आ गया है। इस यूनिवर्सिटी से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है, जबकि तीसरा शख्स लाल किले के पास हुए ब्लास्ट में मारा गया।

इसको देखते हुए अब यूनिवर्सिटी ने अपनी आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि हमारा इस धमाके से कोई लेना-देना नहीं है। जिन लोगों को भी इस कार धमाके में अपनी जान गंवानी पड़ी, उनके प्रति हम दुख व्यक्त करते हैं, लेकिन जिस तरह से हमारी यूनिवर्सिटी का नाम लिया जा रहा है, उससे इसकी गरिमा को ठेस पहुंच रही है। हमारे संज्ञान में यह भी आया है कि कई सोशल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर हमारी यूनिवर्सिटी के संबंध में मनगढ़ंत और झूठे बयान दे रहे हैं, जिनमें बिल्कुल भी सत्यता नहीं है। इसका मुख्य मकसद सिर्फ हमारी यूनिवर्सिटी की गरिमा को नुकसान पहुंचाना है।

यूनिवर्सिटी ने बयान में कहा कि हमारे संज्ञान में आया है कि हमारे दो डॉक्टरों की गिरफ्तारी हुई है, लेकिन हम यह साफ कर देना चाहते हैं कि हमारे यूनिवर्सिटी परिसर का इस्तेमाल किसी भी शरारती गतिविधियों में प्रयुक्त होने वाले केमिकल के निर्माण के लिए नहीं किया गया था, जिस तरह की बातें फैलाई जा रही है, वह पूरी तरह से भ्रामक और बेबुनियादी हैं। यूनिवर्सिटी परिसर में स्थित जितनी भी प्रयोगशालाएं हैं, उनका इस्तेमाल सिर्फ एमबीबीएस और अन्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए ही किया जाता है। इसके अलावा, हमारी यूनिवर्सिटी में स्थित जितनी भी प्रयोगशालाएं हैं, उनका संचालन निर्धारित दिशानिर्देश के अनुरूप ही किया जाता है।

बयान में कहा गया है कि हम सभी संगठन और अन्य लोगों से कहना चाहेंगे कि अगर हमारी यूनिवर्सिटी के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी किसी भी मंच के जरिए से मिले, तो उसे साझा करने से पहले ये सत्यापित करें कि उसमें सत्यता है या नहीं। बिना सत्यापित किए हमारी यूनिवर्सिटी के संबंध में किसी भी जानकारी को साझा करने से बचें। साथ ही आधिकारिक बयान में कहा गया है कि हम इस मुश्किल घड़ी में राष्ट्र के साथ खड़े हैं। इस घटना के संबंध में जो भी जांच हो रही है, उसमें हम हर तरफ से सहयोग करने को तैयार हैं। वहीं, हम यह भी स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हमारी यूनिवर्सिटी के सभी छात्र पूरी तरह से सिर्फ पढ़ाई में संलिप्त हैं।

यूनिवर्सिटी की तरफ से बयान में जानकारी देते दी गई कि अल फलाह ग्रुप 1997 से कई संस्थानों के संचालन में अहम भूमिका निभा रहा है। अल फलाह यूनिवर्सिटी 2014 में अस्तित्व में आई थी, जिसे

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की तरफ से मान्यता भी मिली हुई है। वहीं, अल फलाह यूनिवर्सिटी में साल 2019 से मेडिकल की पढ़ाई कराई जा रही है। साथ ही अल फलाह यूनिवर्सिटी ने अपने आधिकारिक बयान में यह भी कहा कि हमारे यहां से मेडिकल की पढ़ाई करके निकलने वाले सभी छात्र आज की तारीख में देश-विदेश में उच्च और गरिमापूर्ण पदों पर काबिज हैं।

अमेरिकी टैरिफ के बाद अब जर्मनी में मंदी.....कानपुर के लेदर कारोबारी पर सीधा असर

कानपुर उत्तर प्रदेश के निर्यातकों के लिए साल 2025 चुनौतियों से भरा हुआ है। दरअसल अमेरिका की ओर से टैरिफ में किसी भी तरह की राहत न मिलने से कारोबार पर बुरा असर पड़ा है। पहले जहां अमेरिकी बाजार से सबसे अधिक ऑर्डर मिलते थे, अब वहां से मांग में भारी गिरावट आई है। बढ़े हुए टैरिफ के कारण भारतीय उत्पाद महंगे हो गए हैं, इसमें लेदर, टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख सेक्टर सबसे ज्यादा मार पड़ी है। अमेरिका की चुनौतियों के बीच अब जर्मनी की मंदी ने भी निर्यातकों के माथे पर चिंता की लकीर ला दी है। यूरोप के सबसे बड़े बाजारों में से एक जर्मनी में मांग में आई भारी गिरावट ने कारोबार की रफ्तार धीमी हुई है। पहले जहां वहां से लगातार ऑर्डर मिलते थे, अब आर्थिक सुस्ती के कारण कंपनियों ने नए सौदे रोक दिए हैं। कानपुर का लेदर और हैंडीक्राफ्ट उद्योग इस असर को सबसे ज्यादा झेल रहा है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (एफईईओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024-25 में अप्रैल से जुलाई तक यूपी से 3460 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था, जबकि 2025-26 की इसी अवधि में यह केवल 3640 करोड़ रुपये तक पहुंच सका। यानी महज 180 करोड़ रुपये की मामूली बढ़ोतरी। जबकि पहले हर तिमाही में औसतन 500 करोड़ रुपये की वृद्धि होती थी। कानपुर की लेदर कारोबारी प्रेरणा वर्मा का कहना है कि अमेरिकी टैरिफ और जर्मनी की मंदी दोनों ने मिलकर कारोबार को बड़ा झटका दिया है। अब व्यापारियों को एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के देशों में नए मौके तलाशना होगा। आईआईए के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील वैश्य ने कहा कि अमेरिका और जर्मनी लंबे समय से प्रमुख निर्यात बाजार रहे हैं, लेकिन इस बार दोनों ओर से सुस्ती ने चिंता बढ़ा दी है।

इस साल प्रायमरी मार्केट के निवेशकों को भारी नुकसान

हर दूसरे आईपीओ से निवेशकों को नुकसान

मुंबई शेयर बाजार के निवेश मार्केट में प्राइमरी निवेशकों को आईपीओ में भारी झटका लगा है। जो भी नए आईपीओ आए हैं। उनमें से हर दूसरा आईपीओ लिस्टिंग प्राइस से नीचे पर कारोबार कर रहा है। जिसके कारण निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष 91 मेन बोर्ड के और 224, एसएमई के आईपीओ मार्केट में आए हैं। 306 कंपनियों में से 138 कंपनियों के शेयर इश्यू प्राइज से कम कीमत पर कारोबार कर रहे हैं। 45 फ़ीसदी निवेशकों को भारी घाटा उठाना पड़ा है। कई कंपनियां 79 फ़ीसदी इश्यू प्राइस से कम मूल्य पर कारोबार कर रही हैं। **'प्राइमरी निवेशक सतर्क रहें'** विदेशी निवेशक शेयर मार्केट से धीरे-धीरे बाहर हो रहे हैं। पहले जब आईपीओ आते थे। तब इन्हें 30 फ़ीसदी शेयर आवंटित होते थे। अब 2025 में यह आंकड़ा घटकर मात्र 20 फ़ीसदी रह गया है। विदेशी निवेशक शॉर्ट टर्म के लिए आते हैं। ऐसी स्थिति में छोटे निवेशकों को सतर्क रहने की जरूरत है। **'इश्यू प्राइज से नीचे कारोबार'** इस साल मेन बोर्ड में 111 आईपीओ की लिस्टिंग हुई। इसमें से 87 अभी भी इश्यू प्राइस से नीचे कारोबार कर रहे हैं। 42 शेयर 30 फ़ीसदी से लेकर 82 फीसदी तक नीचे कारोबार कर रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए आईपीओ अब छोटे निवेशकों के लिए सुरक्षित नहीं रहे। यह माना जा सकता है।

डिजिटल गोल्ड में निवेश सुरक्षित?

2025 में डिजिटल ई-गोल्ड में निवेश बेतहासा

मुंबई इन दिनों ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और एप के जरिए ई गोल्ड पर निवेश बढ़ता चला जा रहा है। कई मोबाइल एप छोटे निवेशकों को ₹100 से शुरू होने वाले सोने पर निवेश के नाम पर लोगों को लुभा रहे हैं। इनमें बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। जिस तरह से छोटे निवेशकों को लुभाने के लिए कई डिजिटल कंपनियां इस क्षेत्र में आ गई हैंइसमें कोई सुरक्षा नहीं है। आर्थिक विशेषज्ञ इसे सुरक्षित नहीं मान रहे हैं। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया का भी मानना है, जो डिजिटल गोल्ड के प्रस्ताव सेबी के अधीन आते हैं।उन्हें तो सुरक्षित माना जा सकता है। लेकिन जो सेबी या शेयर बाजार में पंजीकृत नहीं है। उनके दावों पर यकीन नहीं किया जा सकता है। ई गोल्ड में निवेश के नाम पर पिछले 11 महीना में यह कारोबार दो गुना बढ़ गया है। यूपीआई से डिजिटल गोल्ड की खरीद बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। जनवरी 2025 मे ई गोल्ड में जहां 690 करोड रुपए का निवेश था। वह सितंबर 2025 में बढ़कर 1508 करोड रुपए पर पहुंच गया है। जिस तरह से डिजिटल धोखेबाजी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में ई गोल्ड के निवेशको को सावधान रहने की जरूरत है।

14 नवंबर से भारत मंडपम में शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

इस साल मेले का विषय एक भारत श्रेष्ठ भारत है, 14 दिन चलेगा

नई दिल्ली

भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवंबर यानी शुक्रवार से भारत मंडपम में शुरू होने जा रहा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात, चीन, ईरान, दक्षिण कोरिया और मिस्र समेत 12 देशों के विदेशी प्रदर्शक 14 दिन चलने वाले इस मेले में भाग लेंगे। इसमें कहा गया कि मेला, भारत के उद्योग की ताकत एवं उसके उत्पादों की गुणवत्ता प्रदर्शित करने का एक प्रमुख मंच है। इस साल मेले का विषय एक भारत श्रेष्ठ भारत है।

भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने बयान में कहा कि बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी 'साझेदार राज्य के रूप में भाग लेंगे जबकि झारखंड को 'फोकस राज्य के रूप में चुना गया है। मेले का समय सुबह 10 से शाम साढ़े सात बजे तक रहेगा। भैरों रोड की ओर तीन व चार और मथुरा रोड पर छह व 10 नंबर प्रवेश द्वार से लोग आवाजाही कर सकते हैं। व्यावसायिक दिन 14 से 18 नवंबर के बाद इसे 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए खोला जाएगा।

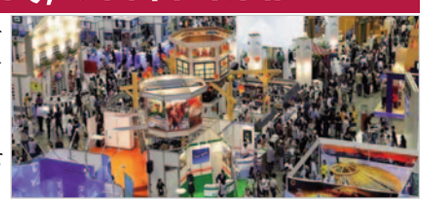

चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी पर पहुंचने की उम्मीद

एनआईपीएफपी ने की आर्थिक समीक्षा

नई दिल्ली नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन होने से चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस साल अप्रैल की समीक्षा में इसने वित्त वर्ष 26 में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 6.8 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र में भारी निवेश, ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में घरेलू खपत की मांग बहाल होने, वस्तु एवं सेवा कर को युक्तिसंगत बनाए जाने और बाहरी क्षेत्र खासकर अमेरिका का प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद से भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तेज रहने की उम्मीद है। हालांकि वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले स्वायत्त शोध संस्थान ने अपनी समीक्षा में दो वैकल्पिक परिदृश्य भी बताया है, जिसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर और उम्मीद से कमतर रहने की परिकल्पना की गई है। इसके मुताबिक अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी ऊपर रहता है, तो अर्थव्यवस्था 8.8 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी नीचे रहने पर वित्त वर्ष 2026 में आर्थिक वृद्धि दर 6 फीसदी रहने की संभावना है। इसके अलावा एनआईपीएफपी ने खाद्य महंगाई दर में कमी के कारण चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 1.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि खाद्य तेल की महंगाई दर ऊंची बनी हुई है और सोने और चांदी में देखी गई तेज मूल्य वृद्धि के कारण मुख्य महंगाई दर बढ़ रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 595, निफ्टी 180 अंक उछला

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 595.19 अंक ऊपर आकर 84,466.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 180.85 अंक उछलकर 25,875.80 पर जाकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान आईटी, फार्मा और ऑटो सेक्टरों में लगातार खरीदारी रही। आईटी और ऑटो दिग्गज शेयरों में भारी खरीदारी के बीच सूचकांक ने शुरुआती तेजी जारी रखते हुए 84,652.01 के इंट्रा-डे हाई तक पहुंचा।

बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी सरकार के शटआउट समाप्त होने की उम्मीद और फेड की शुरुआती कटौती की बढ़ती उम्मीदों से प्रेरित होकर, वैश्विक इक्विटी में नए सिरे से जोखिम उठाने की क्षमता के कारण बाजार में तेजी है। आज टाटा स्टील, टाटा मोटर्स पीवी और टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल नकारात्मक दायरे में बंद हुए। निफ्टी आईटी 738 अंक या 2.04 फीसदी, निफ्टी ऑटो 336 अंक या 1.24 फीसदी, निफ्टी बैंक 136 अंक या 0.23 फीसदीऔर निफ्टी वित्तीय सेवाएँ 82 अंक या 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार ने भी यही माहौल रहा। निफ्टी स्मॉलकैप 0.82 फीसदी, निफ्टी मिडकैप 0.79फीसदी और निफ्टी 100 0.61 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार में उछाल आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के एच1 बी वीजा को लेकर आये बयान के बाद भी आईटी शेयरों में बढ़त आई है। वहीं पीएसयू बैंकों में खरीदारी ने भी बाजार में उत्साह का माहौल है। सुबह सेंसेक्स सुबह 323.89 अंक की बढ़त लेकर 84,195.21 पर था। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाल नैशनल स्टॉक एक्सचेंज सुबह 99.10 अंक बढ़कर 25,781 पर कारोबार कर रहा था।

वहीं विदेशी बाजारों की बात करें तो बुधवार को एशियाई शेयर बाजारों में ज़्यादातर बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी सरकार के शटडाउन समाप्त होने की उम्मीद से भी बाजार को बल मिला है। जापान का निक्केई 225 0.26 फीसदी गिरा, जबकि टॉपिक्स 0.35 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी स्थिर रहा, लेकिन कोस्डैक 0.62 फीसदी बढ़ा। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.13 फीसदी बढ़ा, जो एशिया बाजारों में हल्के सकारात्मक रुझान का संकेत देता है। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज ने एक नया रिकॉर्ड बनाया और 1.18 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 में 0.21 फीसदी की वृद्धि हुई पर नैस्डैक में 0.25 फीसदी की गिरावट आई।

भारत की जीडीपी 7.2 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद

रेटिंग्स एजेंसी ने कहा- इसमें निजी खपत वृद्धि प्रमुख चालक होगी

नई दिल्ली

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी के 7.2 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया है। इसमें निजी खपत वृद्धि प्रमुख चालक होगी। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 5.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि भारत के वास्तविक जीडीपी के चालू वित्त वर्ष में पांच तिमाहियों में सबसे तेज गति से 7.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। वास्तविक जीडीपी आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित होती है।

रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) 28 नवंबर को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के जीडीपी वृद्धि अनुमानों पर आधिकारिक आंकड़े जारी करेगा। उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर 7.2 फीसदी पर मजबूत बनी रहेगी। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के अर्थशास्त्री एवं कार्यकारी निदेशक पारस जसराय ने कहा कि मांग पक्ष से निजी खपत, उच्च तथा निम्न आय वाले परिवारों दोनों की स्थिर वास्तविक आय में बढ़ोतरी के कारण वृद्धि का एक प्रमुख चालक है।

उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में अनुकूल आधार-आधारित माल

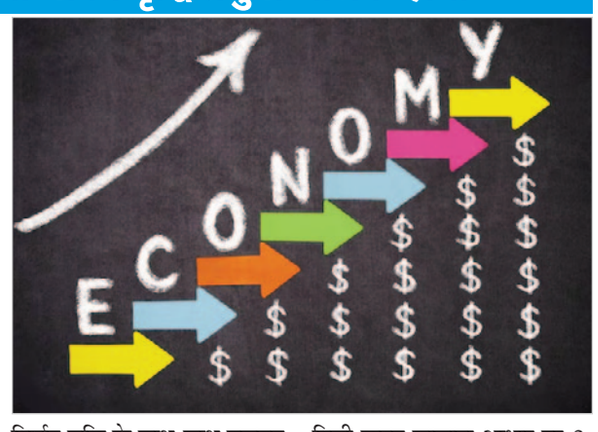

निर्यात वृद्धि के साथ-साथ मजबूत सेवा क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में आपूर्ति पक्ष से जीडीपी वृद्धि को बढ़ावा दिया। एजेंसी को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में निजी खपत सालाना आधार पर 8 फीसदी बढ़ेगी।

वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह सात फीसदी और दूसरी तिमाही में 6.4 फीसदी रही थी।

छोटी इलेक्ट्रिक कार के लिए पेटेंट फाइल किया ओला इलेक्ट्रिक ने

नई दिल्ली ओला इलेक्ट्रिक कंपनी ने एक छोटी इलेक्ट्रिक कार के लिए पेटेंट फाइल किया है। ओला अब इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर से आगे बढ़कर ई4डब्ल्यू (इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर) सेगमेंट में प्रवेश करने जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह नई कार एक कॉम्पैक्ट 5-डोर हैचबैक होगी, जिसे एमजी कार्नेट ईवी, टाटा टियागो ईवी और विनफास्ट मिनियो ग्रीन जैसी कारों को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। पेटेंट डिजाइन में कार का साइज छोटा लेकिन आधुनिक और व्यावहारिक दिखता है। यह कार ओला के जेन 4 मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी, जिसे कंपनी ने 'संकल्प 2025' इवेंट में पेश किया था। यह प्लेटफॉर्म स्कूटर, थ्री-व्हीलर और कार सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों को सपोर्ट करेगा। भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक रही है स्थानीय ईवी बैटरी सेल निर्माण की कमी। ओला इलेक्ट्रिक ने इस दिशा में भी कदम बढ़ाते हुए भारत में ही बने 4680 सीरीज सेल दिखाए हैं, जिनमें एनएमसी कंपोजीशन होने की संभावना है। इससे कंपनी को न केवल लागत में कमी मिलेगी, बल्कि 'मेड इन इंडिया' ईवी बनाने की दिशा में मजबूती भी मिलेगी। ओला ने अपनी एस1 सीरीज स्कूटर से भारतीय ईवी बाजार में नई हलचल मचाई थी, लेकिन आफ्टरसेल्स सर्विस और भरोसे को लेकर कंपनी को चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

टोरेंट पावर कंपनी का नेट प्रॉफिट 50 फीसदी बढ़कर 741.55 करोड़ हुआ

नई दिल्ली

टोरेंट ग्रुप की इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी टोरेंट पावर ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया है। जुलाई-सितंबर तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट करीब 50 फीसदी बढ़कर 741.55 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का पिछले साल इसी तिमाही में मुनाफा 495.72 करोड़ रुपए रहा था। टोरेंट पावर ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया था कि दूसरी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,953.91 करोड़ रुपए हो गई जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,300.51 करोड़ रुपए थी।

उत्पादन कारोबार से रेवेन्यू जुलाई-सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 1,833.55 करोड़ रुपए से बढ़कर 2,420.92 करोड़ रुपए हो गया। ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस से रेवेन्यू सालाना आधार पर 6,596.61 करोड़ रुपए से घटकर 6,367.83 करोड़ रुपए रह गया।

इस तिमाही में रिन्यूएबल एनर्जी से रेवन्यू बढ़कर 326.62 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 291.15 करोड़ रुपए था। टोरेंट पावर, करीब 45,000 करोड़ रुपए के टोरेंट ग्रुप की 29,165 करोड़ रुपए की इंटीग्रेटेड बिजली कंपनी है जो देश के पावर सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसकी उपस्थिति संपूर्ण विद्युत मूल्य श्रृंखला- उत्पादन, पारेषण व वितरण में है।

कंपनी गुजरात में अहमदाबाद, गांधीनगर, सूरत, दाहेज एसईजेड और धोलेरा एसआईआर, संघ शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमन व दीव, महाराष्ट्र में भिवंडी, शिल, मुंब्रा व कलवा तथा यूपी में आगरा जैसे शहरों में करीब 42.1 लाख ग्राहकों को करीब 31 अरब यूनिट वितरित करती है।

टाटा ग्रुप में नई पीढ़ी की एंट्री, नेविल और भास्कर को नियुक्त किया नया ट्रस्टी

नई दिल्ली

टाटा समूह के दो मुख्य ट्रस्टों में से एक, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा और टाटा समूह के अनुभवी भास्कर भट्ट को तीन साल की अवधि के लिए नया ट्रस्टी नियुक्त किया है। विश्लेषकों का कहना है कि नेविल की नियुक्ति से नोएल टाटा का ग्रुप पर प्रभाव और मजबूत हुआ है। नेविल टाटा, जो अभी बिज़नेस हेड हैं, पहले से ही कई टाटा ट्रस्ट्स के बोर्ड में ट्रस्टी हैं। उनकी उम्र 32 साल है और उन्हें ट्रस्ट में एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधि माना जा रहा है।

हाल ही में टाटा ट्रस्ट्स ने ट्रस्टी के लिए आजीवन कार्यकाल की नीति अपनाई थी, लेकिन इसके बावजूद नेविल टाटा और भास्कर भट्ट को केवल तीन साल के कार्यकाल के लिए नियुक्त किया है। इसी तरह उद्योगपति वेनू श्रीनिवासन को भी सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट में तीन साल के लिए ट्रस्टी नियुक्त किया गया है। उन्हें ट्रस्ट का वाइस चेयरमैन भी बनाया गया है। ट्रस्ट के एक बयान के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार के एक हालिया अध्यादेश के तहत ट्रस्टी का कार्यकाल अब अधिकतम पांच साल तक सीमित कर दिया गया है। इस वजह से ट्रस्ट ने तीन साल का कार्यकाल तय किया है।

नेविल टाटा का नाम वकील दरियस खंबाटा ने प्रस्तावित किया था, जिसे सभी ट्रस्टियों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी। वहीं भास्कर भट्ट का नाम वाइस चेयरमैन विजय सिंह ने रखा था, जिसका समर्थन सभी ने किया, जिनमें प्रमीत झावेरी भी शामिल हैं। ये नई नियुक्तियां 12 नवंबर 2025 से प्रभावी होंगी।

दिलचस्प बात यह है कि नेविल की नियुक्ति को मंजूरी नोएल टाटा के जन्मदिन से एक दिन पहले मिली। बताया जा रहा है कि यह कदम रतन टाटा के पुराने विजन का हिस्सा था। उन्होंने नेविल को टाटा ट्रस्ट्स में शामिल कर भविष्य का नेतृत्व सौंपने की इच्छा जताई थी। जनवरी 2026 में नेविल को सर रतन टाटा ट्रस्ट में भी ट्रस्टी बनाए जाने की संभावना है।

ट्रस्ट ने अपनी एग्जीक्यूटिव कमेटी को भंग कर दिया है। अब टाटा ट्रस्ट्स के सीईओ सिद्धार्थ शर्मा सीधे चेयरमैन को रिपोर्ट करेंगे। वर्तमान में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 28 फीसदी हिस्सेदारी है, जबकि सर रतन टाटा ट्रस्ट की हिस्सेदारी लगभग 24 फीसदी है।

मारुति स्विफ्ट पर मिल रहा 57,000 रुपए तक डिस्काउंट

नई दिल्ली

नवंबर महीने में मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों के लिए बेहतरीन ऑफर पेश किया है। अक्टूबर में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज करने के बाद, अब कंपनी नए ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए यह विशेष ऑफर लेकर आई है। कंपनी मारुति स्विफ्ट पर 57,000 रुपए तक का डिस्काउंट दे रही है। यह छूट इसके पेट्रोल, एएमटी और सीएनजी वैरिएंट्स पर लागू है। मारुति स्विफ्ट के झेडएक्सआई और वीएक्सआई (पेट्रोल एमटी, एएमटी और सीएनजी) वैरिएंट्स पर रुपए 57,100 तक का अधिकतम डिस्काउंट मिल रहा है, जबकि एलएक्सआई ट्रिम पर रुपए 37,100 तक की छूट दी जा रही है। इस ऑफर में रुपए 10,000 का कैश डिस्काउंट, रुपए 15,000 का एक्सचेंज बोनस या रुपए 25,000 का स्क्रैपेज बोनस शामिल है। इसके साथ ही रुपए 2,100 तक के अतिरिक्त लाभ भी ग्राहकों को मिल सकते हैं। नई स्विफ्ट की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 5.78 लाख से रुपए8.64 लाख तक जाती है, जिससे यह डील और आकर्षक बन गई है। नई स्विफ्ट में कंपनी ने 1.2 लीटर झेड12ई 3-सिलेंडर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया है, जो 80 बीएचपी की पावर और 112एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें माइल्ड हाइब्रिड सिस्टम भी जोड़ा गया है, जो माइलेज बढ़ाने में मदद करता है। कंपनी का दावा है कि इसके मैनुअल वर्जन का माइलेज 24.80 केएमपीएल और ऑटोमैटिक (एएमटी) वर्जन का माइलेज 25.75केएमपीएल तक है। इंटीरियर की बात करें तो इसमें 9 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले, रियर एसी वेंट्स, डुअल चार्जिंग पोर्ट्स और वायरलेस चार्जर जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

अक्टूबर में एसआईपी निवेश 29,529 करोड़ के ऑलटाइम हाई पर पहुंचा

खुदरा निवेशक अब कहीं ज्यादा समझदार और स्थिर हो गए

नई दिल्ली

इक्विटी म्युचुअल फंड में अक्टूबर के दौरान लगातार तीसरे महीने निवेश घटा है। इसके बावजूद सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेशक म्युचुअल फंड्स में ताबड़तोड़ पैसा लगा रहे हैं और यह पिछले महीने 29,500 करोड़ के रिकॉर्ड ऑलटाइम हाई पर पहुंच गया। सितंबर में एसआईपी के जरिए 29,361 करोड़ रुपए का निवेश आया था। अगस्त में यह आंकड़ा 28,265 करोड़ रुपए था। जबकि, इक्विटी फंड्स में इनफ्लो मासिक आधार पर 19 फीसदी घटकर 24,690 करोड़ रुपए रह गया। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि वैश्विक व्यापार की चिंताओं के बाजार में दिख रहे असर के बीच रिटेल निवेशक अनुशासित रहे और एसआईपी में निवेश बनाए रखा।

खातों के हिसाब से देखें तो एक्टिव एसआईपी अकाउंट बढ़कर 9.45 करोड़ हो गए, जो सितंबर में 9.25 करोड़ रुपए थे। अगस्त में यह संख्या 8.99 करोड़ थी। वहीं, कुल एसआईपी खातों की संख्या बढ़कर 9.88 करोड़ पहुंच गई, जो सितंबर में 9.73 करोड़ थी। यह बढ़ोतरी करीब 60 लाख नए खातों के जुड़ने और करीब 45 लाख खातों के बंद होने के बाद दर्ज की गई। मिरे असेट इनवेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) की हेड ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन एंड स्ट्रैटेजिक अलायंसेज ने कहा कि सबसे उत्साहजनक बात यह है कि एसआईपी इनफ्लो की मजबूती बनी हुई है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि खुदरा निवेशक अब कहीं ज्यादा समझदार और स्थिर हो गए हैं। वे बाजार के छोटे-मोटे उतार-चढ़ाव के बावजूद अपनी लंबी अवधि के निवेश लक्ष्यों पर टिके हैं। हमारा मानना है कि निवेशकों को अपने एसआईपी जारी रखने चाहिए, क्योंकि बाजार के चक्रों के दौरान निवेशित रहना ही समय के साथ संपत्ति बनाने का सबसे अच्छा तरीका है।

लिस्टिंग के बाद इन शेयरों में आई करीब 2 फीसद की गिरावट

मुंबई टाटा मोटर्स की कमर्शियल इकाई के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 335 रुपए प्रति यूनिट पर लिस्ट हुए, जो कि डिस्कवरी प्राइस 260.75 रुपए प्रति यूनिट से 28.5 प्रतिशत अधिक है। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर टाटा मोटर्स कमर्शियल वाहन के शेयर 330.25 रुपए प्रति यूनिट पर लिस्ट हुए, जो कि डिस्कवरी प्राइस 261.90 रुपए प्रति शेयर से 26.09 प्रतिशत था। हालांकि, लिस्टिंग के बाद शेयरों में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है। सुबह करीब 11:35 बजे, एनएसई पर शेयर 1.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ 328.65 रुपए पर कारोबार कर रहा था। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल के शेयर 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 404.75 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। टाटा मोटर्स के बोर्ड ने पिछले साल अपने कमर्शियल वाहन और पैसेंजर वाहन कारोबार को बेहतर ऑपरेशनल एफिशिएंसी के लिए 1:1 के अनुपात में अलग-अलग लिस्ट करने का ऐलान किया था। यह डीमर्जर एक अक्टूबर 2025 से प्रभावी हो गया है।

सामंथा ने राज निदिमोरु संग रिश्ता किया कन्फर्म

एक्ट्रेस सामंथा ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने इस साल लिए गए बोल्ड डिसीजन और अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात की, लेकिन इस पोस्ट में सबसे ज्यादा चर्चा उनकी एक तस्वीर को लेकर हुई, जिसमें वे डायरेक्टर राज निदिमोरु के साथ नजर आईं। इस फोटो ने उनके रिश्ते की अफवाहों को एक बार फिर हवा दे दी है। फोटो में सामंथा ब्लैक लेस ड्रेस में नजर आ रही हैं, जबकि राज ब्लैक सूट में नजर आ रहे हैं। दोनों कैमरे की तरफ देख रहे हैं। राज का एक हाथ सामंथा की कमर पर है और सामंथा दोनों हाथों से उन्हें पकड़कर पोज दे रही हैं। यह तस्वीर सामंथा के फ्रैगरेंस लॉन्च इवेंट की है। यह इवेंट इसी हफ्ते की शुरुआत में आयोजित किया गया था। इस इवेंट की कई तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कीं। इसी पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने बीते कुछ सालों में लिए गए फैसलों और छोटी-छोटी सफलताओं को सेलिब्रेट करने की बात कही।

सामंथा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा - दोस्तों और परिवार से घिरी हुई हूं। पिछले डेढ़ साल में मैंने अपने करियर के कुछ सबसे हिम्मत भरे कदम उठाए हैं। मैंने रिस्क लिए, अपनी इंट्यूशन पर भरोसा किया और चीजें सीखते हुए आगे बढ़ी। आज मैं इन छोटी-छोटी जीतों को सेलिब्रेट कर रही हूं। मैं बहुत आभारी हूं कि मैं इतने ईमानदार और मेहनती लोगों के साथ काम कर रही हूं। भरोसा है, यह तो बस शुरुआत है। उनके इस पोस्ट पर कई लोगों ने रिएक्शन दिए। कुछ यूजर्स ने उन्हें बधाई भी दी। कुछ ने पूछा कि क्या सामंथा और राज ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है। एक यूजर ने लिखा - अब यह ऑफिशियल है। वहीं दूसरे ने लिखा - अगर यह ऑफिशियल है तो बहुत खुशी होगी।

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से सामंथा और राज के रिलेशन को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। दोनों के बीच नजदीकियां तब बढ़ीं जब उन्होंने साथ में वेब सीरीज द फैमिली मैन 2 में काम किया। बताया जाता है कि सीरीज के बाद से ही दोनों के बीच अच्छी बॉन्डिंग बनी हुई है। राज ने सामंथा के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म शुभम में भी सहयोग किया था। हालांकि दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर कोई पब्लिक बयान नहीं दिया है, लेकिन सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों और उनके एक साथ देखे जाने से यह चर्चा लगातार बनी रहती है।

मैंने अपनी शर्तों पर हॉलीवुड में किया काम

दीपिका पादुकोण ऐसी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने बिना किसी फिल्मी घराने से आने के बावजूद इंडस्ट्री में अपनी एक खास पहचान बनाई है। आज उनकी गिनती बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। अब दीपिका अपनी शर्तों पर काम करती हैं। यही कारण है कि अपने आठ घंटे काम करने की मांग के चलते उनके हाथ से कई बड़ी फिल्में भी निकलीं, लेकिन उन्होंने खुद से समझौता नहीं किया। अब दीपिका ने अपने हॉलीवुड करियर को लेकर भी एक बड़ा बयान दिया है। दीपिका ने कहा कि वो हॉलीवुड में अपनी शर्तों पर काम करेंगी, न कि वैसा जैसी हमारी वहां छवि बनी हुई है।

विदेशों में भारतीयों की घिसी-पिटी छवि बनी हुई है

दीपिका ने कहा विदेशों में आज भी भारत को लेकर एक छवि है। साथ ही उन्होंने अपने साथ वहां हुए भेदभाव पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं भारत को दुनिया के सामने लाने को लेकर बहुत स्पष्ट थी, लेकिन जिस भारत को मैं जानती हूं, वह ऐसा नहीं है। उदाहरण के लिए हॉलीवुड में जाना और कुछ ऐसी चीजें करना जो हमसे उम्मीद की जाती हैं या जो ग्लोबल ऑडियंस के हिसाब से करना, कुछ ऐसा है जो मैं कभी नहीं करना चाहती थी। विदेशों में यात्रा के दौरान भी मैंने अक्सर देखा है कि वहां लोगों के मन में भारतीयों के बारे में वही पुरानी और घिसी-पिटी छवि है। चाहे वह कास्टिंग को लेकर हो, या हमारे बोलने के तरीके को लेकर हो या मेरी त्वचा के रंग को लेकर हो। यही कारण है कि हमें वहां टैलेंट को देखते हुए काम नहीं मिला, बल्कि घिसे-पिटे रोल दिए गए।

विदेश में इंटरनेशनल ब्रांड के होर्डिंग पर खुद को देखकर हुआ गर्व

दीपिका ने कहा कि मैं बिल्कुल स्पष्ट थी कि मैं यह काम अपने तरीके से और अपनी शर्तों पर करूंगी। बेशक इसमें ज्यादा समय लगा। हाल ही में अपने एक इंटरनेशनल ब्रांड के अभियान को याद करते हुए दीपिका ने बात की, जब सनसेट बुलेवार्ड पर जगह-जगह उनके होर्डिंग लगे थे। अभिनेत्री ने कहा कि मैं उस समय लॉस एंजिल्स में थी। यह देखकर पहले मुझे अजीब लगा, लेकिन साथ ही मुझे गर्व भी हुआ। एक वैश्विक लक्जरी ब्रांड के होर्डिंग पर एक भूरे रंग का चेहरा देखकर अच्छा लगा। मैंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था और यह हर एक भारतीय महिला की जीत जैसा लगा।

विन डीजल के साथ हॉलीवुड डेब्यू

दीपिका ने 2017 में विन डीजल के साथ 'XXX: रिटर्न ऑफ जेंडर केज' से हॉलीवुड में कदम रखा था। तब से दीपिका ने कई इंटरनेशनल ब्रांड साइन किए हैं और ग्लोबल मंच पर लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। हालांकि, उसके बाद से दीपिका किसी हॉलीवुड फिल्म में नजर नहीं आई हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण इन दिनों शाहरुख खान के साथ 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। साथ ही वो एटली और अल्लू अर्जुन की फिल्म को लेकर भी चर्चाओं में हैं।

शाहरुख खान के कहने पर किंग का हिस्सा बने अभिषेक बच्चन

शाहरुख की फिल्म किंग का फर्स्ट लुक सामने आने के बाद से ही यह फिल्म सुर्खियों में है। इस फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी लीड रोल में नजर आएंगी। इसका निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं, जो पठान और वॉर जैसी हिट फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। अब फिल्म से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है कि इसमें अभिषेक बच्चन मुख्य विलन की भूमिका निभाते दिखेंगे। यह पहली बार होगा जब अभिषेक किसी निगेटिव किरदार में नजर आएंगे। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र के मुताबिक... अभिषेक शुरुआत में इस रोल को करने को लेकर थोड़ा हिचकिचा रहे थे, क्योंकि उन्होंने हाल ही में आई वांट टू टॉक और कालीधर लापता जैसी फिल्मों में सौम्य किरदार निभाए थे लेकिन शाहरुख ने उन्हें यह चुनौती स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया। ट्रेड्स के मुताबिक, अगर शाहरुख का सुझाव न होता, तो शायद अभिषेक यह भूमिका नहीं निभाते। शाहरुख और अभिषेक की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। दोनों इससे पहले फराह खान की फिल्म हैप्पी न्यू ईयर (2014) में साथ नजर आए थे।

अनीस के साथ फिर काम करेंगे अक्षय

अक्षय कुमार साल में कई फिल्में करने के लिए जाने आते हैं। इस साल उनकी फिल्म कसरी चैप्टर 2 और हाउसफुल 5 जैसी कई बड़ी फिल्मों ने चर्चा बटोरी। अब अक्षय अगला साल की अपनी नई फिल्मों की तैयारी में जुट गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक... अक्षय जल्द ही साउथ की मशहूर फिल्म संक्रांतिकी वस्तुनम के हिंदी रीमेक में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी करेंगे। यह फिल्म मूल कहानी को बरकरार रखते हुए नए ट्विस्ट और हास्य से भरपूर होगी। अक्षय और अनीस को इस फिल्म की कहानी काफी पसंद आई है। साउथ वर्जन में एक्टर वेंकटेश मुख्य भूमिका में थे, जो अपनी पत्नी और प्रेमिका के बीच उलझे हुए दिखाए गए थे। बताया जा रहा है कि हिंदी वर्जन में इसे और मजेदार अंदाज में पेश किया जाएगा। फिल्म में कई नए कॉमिक सीन जोड़े जाएंगे, जिससे यह मूल से कहीं बड़ी और मनोरंजक बनेगी। फिल्म की कहानी लेखन का काम जारी है और अगले साल फरवरी से शूटिंग शुरू करने की प्लानिंग है।

जूटोपिया 2 में जुडी हॉप्स की आवाज बनेंगी श्रद्धा कपूर

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हॉलीवुड फिल्म जूटोपिया 2 में अपनी आवाज देंगी। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीर में श्रद्धा जूडी हॉप्स के साथ बैठी नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने पोस्ट कर इसे कैप्शन दिया, जूटोपिया 2 परिवार में शामिल होने के लिए और जूडी हॉप्स की आवाज देने के लिए बहुत खुश हूं। वह बहादुर, निडर, उत्साही और बहुत प्यारी है और मैं इसे बचपन से पसंद करती हूं। आज आपके लिए एक खास सरप्राइज भी आने वाला है। जुड़े रहिए। अभिनेत्री की पोस्ट देखने के बाद फैंस जूटोपिया 2 के लिए काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जूटोपिया 2016 की डिज्नी की एनिमेटेड फिल्म है, जिसमें एक खरगोश पुलिस अधिकारी (जूडी हॉप्स) और एक लोमड़ी ठग (निक वाइल्ड) एक रहस्यमय षड्यंत्र का पर्दाफाश करते हैं। इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया भी मिली थी। साथ ही, इसने ऑस्कर भी जीता था। अब इसका सीक्वल जल्द ही आने वाला है, जिसे जारेड बुश और जोसी ट्रिनिडैड ने मिलकर निर्देशित किया है और जिसे आवाज श्रद्धा कपूर देंगी। अभिनेत्री जल्द ही पीरियड ड्रामा फिल्म में नजर आने वाली हैं। हालांकि, मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी जानकारी और नाम की घोषणा नहीं की है। इसी के साथ अभिनेत्री ने निर्माता एकता कपूर के साथ एक मल्टी-फिल्म के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। खबर है कि लोकप्रिय फिल्म धूम फ्रैंचाइजी के लिए भी श्रद्धा की बातचीत चल रही है।

निर्देशक कबीर खान के साथ एक बार फिर काम करेंगे कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन और निर्देशक कबीर खान नए प्रोजेक्ट के लिए फिर साथ आएंगे। दोनों ने साथ में फिल्म चंदू चैंपियन पर काम किया था। यह फिल्म साल 2024 में रिलीज हुई थी। फिल्म की अपार सफलता के बाद कार्तिक एक भारी-भरकम बजट वाली एक्शन ड्रामा फिल्म का हिस्सा बनने जा रहे हैं। इसका निर्देशन कबीर करेंगे। सूत्रों के अनुसार... कबीर को हर एक फिल्म के साथ थ आगे बढ़ना पसंद है और उनकी अगली फिल्म एक्शन, ड्रामा और भावनाओं से भरपूर दमदार और रोमांचक कहानी है। उन्हें लगता है कि कार्तिक इसके लिए बिल्कुल सही हैं और यह जोड़ी खुद को एक ऐसे कॉम्बो के रूप में स्थापित करना चाहती है जो दर्शकों को हमेशा एक नया सिनेमाई अनुभव प्रदान करे। कबीर अगले साल इस फिल्म की घोषणा करेंगे। इसके अलावा कार्तिक इन दिनों फिल्म नागजिला को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।

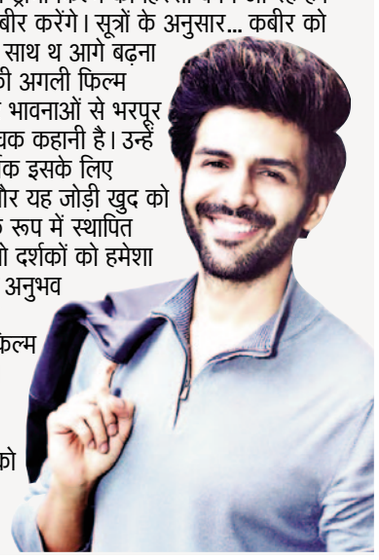

वर्दी पहनते ही एक चौड़ आ जाती है

जानी-मानी अदाकारा शेफाली शाह ने यूं तो अपने करियर की शुरुआत टीवी से की। फिर सत्या, मॉनसून वेडिंग, दिल धड़कने दो और वक्त जैसी फिल्मों के लिए चर्चा में रहीं, लेकिन उनकी एक्टिंग का असली दमखम दिखा ओटीटी पर, जब वह एमी अवॉर्ड विनिंग सीरीज दिल्ली क्राइम में मैडम सर यानी एसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के रूप में नजर आईं। दिल्ली क्राइम 2 के लिए प्रतिष्ठित एमी अवॉर्ड जीतने वाली शेफाली अब इसके तीसरे सीजन में लौटी हैं। जाहिर है यह शो उनके लिए बेहद स्पेशल है। वह कहती हैं कि उन्हें इस शो और किरदार से बेहद प्यार है।

दिल्ली क्राइम सीजन 3 से क्राइम और इन्वेस्टीगेशन की इस दुनिया में लौटने के बारे में शेफाली बताती हैं, मेरा एक्साइटमेंट तभी शुरू होता है, जब मुझे पता चलता है कि इस शो का नया सीजन आ रहा है। मुझे इस शो और मैडम सर से प्यार है। हालांकि, जब सेट पर जाने का वक्त आता है तो मेरा टेंशन, स्ट्रेस सब बढ़ जाता है। ऐसा लगता है कि मुझे कुछ नहीं आता, लेकिन जब मैं उसके जूते में पैर रखती हूं, मेरी चाल बदल जाती है। वह यूनिफॉर्म पहनते ही मुझमें अचानक एक चौड़ आ जाती है। वैसे, यह इमोशनली आपको सुखा देने वाला शो है। बहुत इंटेंस शो है। मैंने तीन सीजन कर लिए, मगर कभी भी ऐसा नहीं लगा कि सबकुछ आसान है। मैं सब आसानी से कर रही हूं, क्योंकि हर बार अलग केस है तो उनका रिएक्शन अलग होगा। वह पहले एसीपी थी, अब डीआईजी है, ट्रांसफर हो चुका है, तो काफी चीजें बदल चुकी हैं, इसलिए इसे करते वक्त कुछ भी बोरिंग या प्रिडिक्टेबल नहीं लगता है।

बदलाव सबसे पहले घर से आता है

दिल्ली क्राइम 4 गर्ल ट्रैफिकिंग यानी लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित है। शो करते हुए ये घटनाएं शेफाली शाह पर कितना असर करती हैं? यह पूछने पर वह कहती हैं, बहुत असर करती हैं। अगर मुझ पर असर नहीं होगा, मुझे महसूस नहीं होगा तो मैं दिखाऊंगी क्या? अगर मुझे ये चीज अंदर तक नहीं झकझोरेगी तो मैं उसे दिखा भी नहीं पाऊंगी। मैं सच में कह रही हूं कि जो इमोशन आप स्क्रीन पर देखते हैं, वो 100 फीसदी सच होता है। मगर शेफाली को खुद लड़कियों से जुड़े कौन से मुद्दे परेशान करते हैं? इस पर वह कहती हैं, बहुत सारी समस्याएं हैं। भ्रूण हत्या, किसी भी तरह का मानसिक, शारीरिक या सेक्शुअल शोषण। समाज में बराबरी का न होगा लेकिन ये सब इतनी आसानी से नहीं बदलेगा। ये बरसों की सोच है जिसे बदलना है और यह बदलाव सबसे पहले आपके घर से आएगा। मैं हमेशा कहती रही हूं कि हमारी बेटियां तभी सुरक्षित होंगी जब हम अपने बेटों की सही तरह से परवरिश करेंगे। यह हमारी जिम्मेदारी है।

अपनी प्राथमिकताएं तय करना सीख गई हूं

सीरीज रसिका दुग्गल के किरदार के बहाने औरतों पर घर और काम के दबाव को भी दिखाती है। शेफाली खुद इन दोनों के बीच कैसे बैलेंस बनाती हैं? इस पर वह बताती हैं, आपको बस करना होता है। हमारे पास ऑप्शन क्या है? ये है कि मेरे बच्चे बड़े हो गए हैं तो अब उन्हें मेरी उतनी जरूरत नहीं है, पर अब भी बहुत सारी चीजें हैं। हालांकि, वक्त के साथ मैं प्राथमिकताएं तय करना सीख गई हूं कि कौन सी चीज तुरंत करना जरूरी है। जैसे, मेरा यह रहता है कि अगर घर पर सब खुश, स्वस्थ और सुरक्षित हैं तो ठीक है। अगर इन तीन चीजों में दिक्कत है तो मैं दुनिया की बाकी सब चीजें छोड़ दूंगी। उसके अलावा खाना नहीं बना, खाना नहीं खाया, पानी नहीं आया, ये सब हैंडल करना बहुत थकाऊ होता है। खासकर, इसलिए कि वर्तिका की तरह मैं भी अपने काम में डूब जाती हूं, तो उस वक्त अगर घर में खाना नहीं बना तो क्या करूं? लेकिन फोन आता है, तो मैं कहती हूं ऑर्डर कर लो। उस पर भी ओटीपी की व्यथा कथा शुरू हो जाती है (हंसती हैं)। ये ओटीपी बहुत दर्दनाक चीज है। मतलब, दिल्ली क्राइम के पहले सीजन की सनडांस में स्क्रीनिंग चल रही थी। शो शुरू होने वाला था और मेरा बेटा फोन पर फोन किए जा रहा है। मैंने पूछा क्या हुआ, सब जिंदा हैं, तो बोला- मुझे ओटीपी चाहिए। मतलब क्या कहूं पर मुझे देना पड़ा।

कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर लगे पत्थर के बारे में जो बताया जाता है वह कितना सच है

ओडिशा के कोणार्क शहर में प्रतिष्ठित सूर्य मंदिर यूनेस्को की विश्व धरोहरों में शामिल हैं। वैसे तो इस मंदिर का निर्माण हजारों वर्षों पूर्व हुआ माना जाता है लेकिन कई इतिहासकार मानते हैं कोणार्क सूर्य मंदिर का निर्माण 1253 से 1260 ई. के बीच हुआ था। भारत के सुप्रसिद्ध मंदिरों में शुमार कोणार्क सूर्य मंदिर में सूर्य देव को रथ के रूप में विराजमान किया गया है तथा पत्थरों को उत्कृष्ट नक्काशी के साथ उकेरा गया है। स्थानीय लोग यहां सूर्य-भगवान को बिरंचि-नारायण भी कहते थे।

कोणार्क सूर्य मंदिर की खासियत

केसरी वंश के राजा द्वारा निर्मित इस मंदिर की शिल्पकला दर्शनीय है। मंदिर का निर्माण सूर्य के काल्पनिक रथ का रूप देकर किया गया है। सूर्य मंदिर चौकोर परकोटे से घिरा है। इसके तीन तरफ ऊंचे-ऊंचे प्रवेशद्वार हैं। पूरब दिशा में मुख्य द्वार है जिसके सामने समुद्र से सूर्य उदय होता दिखाई पड़ता है। इसमें सूर्य भगवान को अपने विशाल चौबीस पहियों तथा सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर दिनभर की यात्रा के लिए निकलते हुए दिखाया गया है। रथ के सात घोड़ों को सूर्य के प्रकाश के सात रंगों तथा चौबीस पहियों की परिक्रमा के प्रतीक रूप में दिखाया गया है। कोणार्क सूर्य मंदिर ओडिशा के स्वर्णकाल तथा कलिंग शैली की शिल्पकला का प्रतीक है। इस मंदिर की दीवारों पर पत्थर की नक्काशी की हुई अनेक आकर्षक प्रतिमाएं हैं। सूर्य भगवान के रथ की अलंकृत नक्काशी वाला यह बेजोड़ मंदिर भव्यता में अद्भुत है।

कोणार्क मंदिर से जुड़ी अजब कथा

कई कथाओं में इस प्रकार का उल्लेख मिलता है कि कोणार्क सूर्य मंदिर के शिखर पर एक चुम्बकीय पत्थर लगा है जिसके प्रभाव से, कोणार्क के समुद्र से गुजरने वाले सागरपोत इस ओर खिंचे चले आते हैं, जिससे उन्हें भारी क्षति हो जाती है। एक अन्य कथा में उल्लेख मिलता है कि शिखर पर लगे इस पत्थर के कारण पोतों के चुम्बकीय दिशा निरूपण यंत्र सही दिशा नहीं बता पाते थे इसलिए कुछ आक्रांता इस पत्थर को निकाल कर ले गये जिससे मंदिर को नुकसान हुआ था। हालांकि यह सब कही-सुनी बातें हैं इसका कोई ऐतिहासिक साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।

कोणार्क मंदिर देखने कैसे आएं

यदि आप भी कोणार्क सूर्य मंदिर आना चाहते हैं तो भुवनेश्वर और पुरी से यहां आसानी से आ सकते हैं। ओडिशा पर्यटन विकास निगम की ओर से यहां भ्रमण की भी व्यवस्था कराई जाती है। वैसे कोणार्क में रहने की भी पर्याप्त व्यवस्था है। पर्यटक चाहें तो भुवनेश्वर से यहां आकर भ्रमण कर के उसी दिन वापस लौट सकते हैं। कोणार्क में रहने के लिए पर्यटन विभाग के लाज, टूरिस्ट बंगला और निरीक्षण भवन भी हैं।

कोणार्क का समुद्र तट भी अवश्य देखें

कोणार्क का समुद्र तट विश्व के सुंदरतम तटों में से एक माना गया है। यहां समुद्र के रेतीले गुट का आनंद उठाया जा सकता है। समुद्र की खूबसूरती निहारते हुए उठती-गिरती लहरों को देखना मंत्रमुग्ध कर देता है। यह एक सुंदर पिकनिक स्थल भी है। समुद्र तट सूर्य मंदिर से तीन किलोमीटर दूर है। इसके अलावा कोणार्क की दुर्लभ कलाकृतियों का संग्रह देखने के लिए मंदिर के पास ही स्थित संग्रहालय भी जा सकते हैं।

गुजरात का यह मंदिर दिन में दो बार हो जाता है गायब, जानिए क्या है रहस्य

भारत में कई हिस्सों में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर हैं जहाँ दूर-दूर से लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। लेकिन आज हम आपको भगवान शिव के एक ऐसे अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दिन में दो बार गायब हो जाता है। जी हाँ, गुजरात में स्थित स्तंभेश्वर मंदिर को 'गायब मंदिर' भी कहा जाता है। देश-विदेश से शिव भक्त अपनी मनोकमना पूर्ण होने की कामना के साथ इस मंदिर में आते हैं। आइए जानते हैं भगवान भोलेनाथ के इस अद्भुत मंदिर के बारे में -

वडोदरा के पास स्थित है स्तंभेश्वर मंदिर

स्तंभेश्वर मंदिर गुजरात के जम्बूसार तहसील में कवि कंबोई गांव में स्थित है। यह मंदिर वडोदरा से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित होने के कारण वडोदरा के पास सबसे लोकप्रिय दार्शनिक स्थलों में से एक है। यह मंदिर लगभग 150 साल पुराना है और इसे %गायब मंदिर% भी कहा जाता है। सालभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है। खासतौर पर सावन के महीने में इस मंदिर में हजारों की संख्या में श्रद्धालु दूर-दूर से महादेव के दर्शन करने के लिए यहां आते हैं।

स्कंद पुराण में मिलता है उल्लेख

स्कन्द पुराण में दिए गए उल्लेख के अनुसार स्तम्भेश्वर मंदिर को भगवान कार्तिकेय के ताड़कासुर नाम के राक्षस को नष्ट करने के बाद स्थापित किया था।

कहा जाता है कि राक्षस ताड़कासुर भगवान शिव का बहुत बड़ा भक्त था। उसने भगवान को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या कीऔर भोलेनाथ ने उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर उसे एक वरदान मांगने को कहा। तब ताड़कासुर ने आशीर्वाद माँगा कि भगवान शिव के छह दिन के पुत्र के अलावा कोई भी उसे मार न सके। उसकी इच्छा पूरी होने के बाद, ताड़कासुर ने तीनों लोकों में हाहाकार मचा दिया। तब ताड़कासुर के अत्याचार को समाप्त करने के लिए भगवान शिव ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से भगवान कार्तिकेय की रचना की। ताड़कासुर को मारने वाले भगवान कार्तिकेय भी उसकी शिव भक्ति से प्रसन्न थे। इसलिए, प्रशंसा के संकेत के रूप में, उन्होंने उस स्थान पर एक शिवलिंग स्थापित किया जहां ताड़कासुर का वध किया गया था।

एक अन्य संस्करण के अनुसार, ताड़कासुर को मारने के बाद भगवान कार्तिकेय खुद को दोषी महसूस कर रहे थे क्योंकि ताड़कासुर राक्षस होने के बाद भी भगवान शिव का भक्त था। तब भगवान विष्णु ने कार्तिकेय को यह कहते हुए सांत्वना दी कि आम लोगों को परेशान करके रहने वाले राक्षस को मारना गलत नहीं है। हालाँकि, भगवान कार्तिकेय शिव के एक महान भक्त को मारने के अपने पाप से मुक्त होना चाहते थे। इसलिए, भगवान विष्णु ने उन्हें शिव लिंग स्थापित करने और क्षमा के लिए प्रार्थना करने की सलाह दी।

मंदिर के गायब होने के पीछे है यह वजह

स्तंभेश्वर मंदिर के गायब होने के पीछे की वजह प्राकृतिक है। दरअसल, यह मंदिर समुद्र के किनारे से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए दिन में समुद्र का स्तर इतना बढ़ जाता है कि मंदिर जलमग्न हो जाता है। फिर कुछ जो देर में जल का स्तर घट जाता है जिससे मंदिर फिर से दिखाई देने लगता है से प्रकट होता है। चूंकि समुद्र का स्तर दिन में दो बार बढ़ जाता है इसलिए मंदिर हमेशा सुबह और शाम के समय कुछ देर के लिए गायब हो जाता है। इस नज़ारे को देखने के लिए श्रद्धालु दूर-दूर से इस मंदिर में आते हैं।

बिना तेल और घी के जलता है दीया, तिरुपति बालाजी मंदिर से जुड़े चमत्कारी रहस्यों के बारे में कितना जानते हैं आप?

भारत में एक ऐसा मंदिर मौजूद है जहाँ भगवान स्वयं विराजमान है। यह मंदिर है भगवान तिरुपति बालाजी का जिन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मन्दिर भारत के सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में से एक है। तिरुमला की पहाड़ियों पर बना श्री वैंकटेश?वर बालाजी मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के तिरुपति में स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है और तिरुपति के सबसे बड़े आकर्षण का केंद्र है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति एक बार यहाँ दर्शन कर ले उसके भाग खुल जाते हैं। इस मंदिर की लोकप्रियता से हर कोई वाकिफ है पर क्या आप मंदिर के चमत्कारी रहस्यों के बारे में जानते हैं। आज हम आपको इन्हीं रहस्यों के बारे में बताने वाले हैं-

मान्यता है कि जब भगवान की पूजा की जाती है तो उनकी मूर्ति मुस्कुराने लगती है। भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति में माता लक्ष्मी भी समाहित है। मान्यता है कि भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर की मूर्ति इस मंदिर में स्वयं प्रकट हुई थी।

कहा जाता है भगवान तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी की मूर्ति पर लगे हैं बाल असली हैं। यह बाल कभी भी उलझते नहीं हैं और हमेशा मुलायम रहते हैं।

जब आप मंदिर के गर्भ गृह के अंदर जायेंगे तो ऐसा लगेगा कि भगवान श्री वेंकेटेश्वर की मूर्ति गर्भ गृह के मध्य में स्थित है, पर जब आप गर्भ गृह से बाहर आकर मूर्ति को देखेंगे तो प्रतीत होगा कि भगवान की प्रतिमा दाहिनी तरफ स्थित है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर समुद्र तल से 3200 फीट ऊंचाई पर स्थित है लेकिन फिर भी भगवान की मूर्ति से समुद्र की आवाजें सुनाई देती हैं। यहाँ के लोगों का मानना है कि भगवान की यह मूर्ति समुद्र से प्रकट हुई थी इसलिए इससे समुद्र की आवाज सुनाई देती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर के द्वार पर एक छड़ी रखी हुई है। इस छड़ी को लेकर अनेक पौराणिक कथाएं प्रचलित है। एक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु धरती पर माता लक्ष्मी को ढूंढ़ने आये थे तो यह छड़ी उन्हें उनका पता बता रही थी।

ऐसी मान्यता है कि यह वहीं छड़ी है जिससे बचपन में भगवान वेंकटेश्वर जी को चोट लगी थी। चोट का निशान आज भी उनकी मूर्ति के चेहरे पर है। इसलिए हर शुक्रवार उनके चेहरे पर चन्दन का लेप लगाया जाता है।

श्री तिरुपति वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में श्रृंगार, प्रसाद के चढ़ाये जाने वाली सामग्री तिरुपति बालाजी के गांव से आती है। यह गांव मंदिर से 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहाँ बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर प्रतिबंध है।

श्री वेंकेटेश्वर बालाजी मंदिर में एक ऐसा दीया रखा हुआ है जो हमेशा जलता रहता है और चौंकाने वाली बात यह है कि इस दीपक में कभी भी तेल या घी नहीं डाला जाता। दीपक को सबसे पहले किसने और कब प्रज्वलित किया था यह बात अब तक रहस्य बनी हुई है।

सर्दियों में लेना है स्नोफॉल का मजा तो जरूर जाएं भारत की इन 5 खूबसूरत जगहों पर

भारत में कई ऐसी जगहे हैं जो अपनी खूबसूरत वादियों और सर्दियों में बर्फबारी के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। अगर आप अपना विंटर वेकेशन प्लान कर रहे हैं और इस बार परिवार के साथ बर्फबारी का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो आज हम आपको ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं आप स्नोफॉल का मजा ले सकते हैं-

शिमला : स्नोफॉल का जिक्र होते ही हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का नाम सबसे पहले जहन में आता है। यह स्नोफॉल के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां के हरे भरे पहाड़, ऊंची चोटियां ठंड के दिनों में बर्फ से पूरी तरह ढंककर और भी खूबसूरत दिखते हैं। शिमला को लॉन्ग मून नाइट्स यानी लंबी चांदनी रातों का मौसम भी कहा जाता है। दिसंबर से फरवरी के बीच यहां बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इस मौसम में आप यहां स्कींग का भी मज़ा ले सकते हैं। शिमला में आइस स्केटिंग दिसंबर से फरवरी तक होती है।

गुलमर्ग : धरती के स्वर्ग जम्मू-कश्मीर में स्थित गुलमर्ग बेहद खूबसूरत जगह है और यहां बर्फबारी का आनंद लेने का अनुभव बहुत खास होता है। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में चारों तरफ बस बर्फ ही बर्फ दिखती है और इसकी खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्कीइंग करने वालों की भी भीड़ जुटती है। यहां की कुदरती खूबसूरती आपका मन मोह लेगी।

औली : उत्तराखंड का सबसे पुराना शहर औली बेहद सुंदर है। बर्फबारी के समय यह किसी स्वपनलोक सा दिखता है। औली भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ स्कीइंग के लिए मशहूर है। यहां देवदार पेड़ों की लंबी कतार है। बर्फ से ढके जंगलों के बीच सैर करके आप अपनी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

कुफरी : शिमला के अलावा हिमाचल प्रदेश में स्थित कुफरी भी स्नोफॉल के दौरान बहुत सुंदर दिखता है और लोग यहां स्कींग के लिए आते हैं। सर्दियों के मौसम में यहां सैलानियों की काफी भीड़ जुटती है। यहां लोग पहाड़ों के बीच रोमांच का मज़ा लेते हैं। हाइकिंग, स्कीइंग, खूबसूरत नजारे, देवदार के लंबे-लंबे पेड़ और सुहानी सर्द हवा का मज़ा लेना है तो कुफरी ज़रूर जाएं।

कुल्लू-मनाली : पॉप्युलर हनीमून डेस्टिनेशन कुल्लू मनाली में भी बर्फबारी का मज़ा लिया जा सकता है। हिमाचल प्रदेश का यह हिल स्टेशन भी लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। रोमांच के शौकीनों की तो यह पहली पसंद है। दिसंबर जनवरी में आकर यहां आप भी स्नोफॉल का आनंद ले सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चुनाव में नेपाल को भारत से लेनी चाहिए मदद, पूर्व मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने अंतरिम सरकार से किया आग्रह

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने देश की अंतरिम सरकार से आग्रह किया है कि वह आगामी मार्च 2026 के आम चुनाव के लिए भारत और अन्य मित्र देशों से सक्रिय रूप से रसद सहायता प्राप्त करे। वह बोले, मौजूदा चुनौतियों और सीमित संसाधनों को देखते हुए, सरकार को चुनावों के लिए रसद प्रबंधन में सहायता के लिए भारत जैसे पड़ोसी देशों से संपर्क करने में संकोच नहीं करना चाहिए। रिजाल ने कहा, हम अभी आदर्श समय में नहीं हैं, इसलिए आज हमारे पास जो कुछ है, उसे देखते हुए हमें रसद प्रबंधन में अपनी जरूरतों का आकलन बहुत सावधानी से करना होगा। उन्होंने कहा, भारत के साथ हमारी सीमा बहुत आसान, खुली और छिद्रपूर्ण है और सीमा के उत्तरी हिस्से की तुलना में भारत से रसद बहुत आसानी से लाई जा सकती है। इसलिए उनकी मदद, उनकी प्रतिबद्धता बहुत मददगार हो सकती है। नेपाली कांग्रेस के नेता मिनेंद्र रिजाल ने कहा, हमें भारत को यह भरोसा दिलाना होगा कि यह सरकार को फिर से संगठित करने के लिए एक निवेश है। यह निवेश शासन को फिर से संगठित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए है कि चुनाव के बाद आने वाली नई सरकार को जनता का जनादेश मिले। वह बोले, जैसे-जैसे चुनावी तैयारियां तेज हो रही हैं, हमें अंतरराष्ट्रीय साख का इस्तेमाल करना चाहिए।

जमैका के लिए राहत सामग्री ले जा रहा छोटा विमान फ्लोरिडा के पड़ोस में दुर्घटनाग्रस्त, 2 की मौत

किंग्स्टन, एजेंसी। जमैका के लिए तूफान राहत सामग्री ले जा रहा छोटा विमान फ्लोरिडा के पड़ोस में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि तूफान राहत मिशन पर जमैका जा रहा एक छोटा टर्बोप्रॉप विमान सोमवार सुबह उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद फोर्ट लॉडरडेल उपनगर कोरल स्प्रिंग्स के एक आवासीय क्षेत्र में एक तालाब में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान किसी भी पीड़ित का पता नहीं चल पाया और उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान अब एक राहत अभियान बन गया है। विमान में कितने लोग सवार थे, यह तुरंत पता नहीं चल पाया है। स्थानीय मीडिया के एरियल टीवी फुटेज में उस तालाब के पास एक घर के पिछवाड़े में टूटी हुई बाड़ दिखाई दे रही है, जहां विमान गिरा था।

अमेरिका ने ड्रग्स ले जा रहे नावों पर हवाई हमला किया, 6 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने रविवार को पूर्वी प्रशांत महासागर में दो संदिग्ध नावों पर हवाई हमला किया। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बताया कि ये नाव ड्रग्स लेकर जा रहे थे। इसमें 6 लोग मारे गए हैं। यह हमला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ मुहिम का हिस्सा है। हेगसेथ ने एक्स पर पोस्ट किया कि ट्रम्प के आदेश पर नावों पर हमले हुए। ये नावें आतंकवादी संगठनों से जुड़ी थीं और कोकीन तस्करी कर रही थीं। ट्रम्प प्रशासन ने सितंबर से अब तक 19 हमले किए हैं, जिसमें कम से कम 75 लोग मारे गए है। मुहिम कैरेबियन से शुरू होकर पूर्वी प्रशांत में पहुंच गई है। अमेरिका ने इलाके में नौसेना और एयरक्राफ्ट तैनात किए हैं। ट्रम्प इसे कार्टेल्स के खिलाफ युद्ध बताते रहे हैं, जो अमेरिकी शहरों में ड्रग्स और हिंसा फैलाते हैं।

चीनी राजनयिक ने जापानी प्रधानमंत्री को गर्दन काटने की धमकी दी

टोक्यो , एजेंसी। जापान ने सोमवार को चीन के एक राजनयिक की ऑनलाइन धमकी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। धमकी में सिर काटने की बात कही गई थी। यह जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के ताइवान पर बयान के बाद आई। चीनी राजनयिक शुए जियान ने शनिवार को एक्स पर कहा था, बिना किसी हिचकिचाहट बेकार गर्दन को एक सेकेंड गंवाए काट दूंगा। हालांकि पोस्ट में प्रधानमंत्री का नाम नहीं लिया गया, लेकिन ताकाइची के संसद में दिए बयान का हवाला दिया गया। यह पोस्ट अब हटा दी गई है। शुक्रवार को संसद में ताकाइची ने कहा था कि ताइवान पर हमला होने पर जापान आत्मरक्षा के तहत सेना भेज सकता है। उन्होंने कहा, ताइवान में जंग की स्थिति जापान के लिए खतरा होगी। धमकी के बाद भी सोमवार को संसद में ताकाइची ने अपना बयान वापस लेने से इनकार किया।

अमेरिका-भारत संबंध मजबूत करेंगे सर्जियो गोर; ट्रंप बोले- भारत के साथ रिश्ता सबसे महत्वपूर्ण

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वे अपने करीबी सहयोगी सर्जियो गोर को भारत में नया राजदूत नियुक्त कर रहे हैं, ताकि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने इस पद को बड़ा और अहम दायित्व बताते हुए कहा कि गोर अब हमारे देश के सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिश्ते को सशक्त बनाने का काम करेंगे।

व्हाइट हाउस में हुआ शपथ ग्रहण समारोह : उप राष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में आयोजित एक विशेष समारोह में सर्जियो गोर को शपथ दिलाई। इस मौके पर ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट, अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी और कई शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे।

भारत के साथ हमारे अहम संबंधों को और मजबूत करेंगे : गोर के शपथ ग्रहण पर उपस्थित सभी लोगों ने तालियों और खुशी के साथ उनका स्वागत किया। ट्रंप ने गोर से हाथ मिलाते हुए कहा मैं सर्जियो पर भरोसा करता हूं कि वह भारत के साथ हमारे देश के सबसे अहम संबंधों को और मजबूत करेंगे। यह वास्तव में एक बड़ा काम है।

जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है यह जिम्मेदारी- सर्जियो गोर : शपथ ग्रहण के बाद सर्जियो गोर ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा मैं अमेरिका और भारत के बीच रिश्तों को और बेहतर बनाने के लिए पूरी लगन से काम करूंगा। गोर ने ट्रंप को धन्यवाद देते हुए कहा आपके नेतृत्व में जो उपलब्धियां हुई हैं, वे ऐतिहासिक हैं। मैं आपके साथ काम करके गर्व महसूस करता हूं और आगे भी हमेशा आपके साथ रहूंगा।

ट्रंप बोले- भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक : ट्रंप ने भारत की सराहना करते हुए कहा भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और अब यह दुनिया का सबसे बड़ा देश भी है, जिसकी आबादी 1.5 अरब से अधिक है। उन्होंने आगे कहा सर्जियो इस भूमिका में शानदार काम करेंगे। भारत के राजदूत का पद बेहद महत्वपूर्ण है।

ट्रंप के करीबी और भरोसेमंद सहयोगी हैं गोर : सर्जियो गोर, ट्रंप प्रशासन में प्रेसिडेंशियल पर्सनल डायरेक्टर रह चुके हैं। अगस्त में ट्रंप ने उन्हें भारत में राजदूत और दक्षिण व मध्य एशिया के लिए विशेष दूत नियुक्त किया था। उन्होंने ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई थी। सेनेट ने अक्तूबर में गोर की नियुक्ति को मंजूरी दी थी।

भारत के लिए क्या बोले गोर : अपने सेनेट कन्फर्मेशन हियरिंग के दौरान गोर ने कहा था कि भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है और आने वाले समय में उसकी भूमिका पूरे क्षेत्र और विश्व को प्रभावित करेगी। उन्होंने कहा था कि भारत के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत करने से अमेरिका की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और चीन के आर्थिक दबदबे को कम करने में मदद मिलेगी।

भारत-अमेरिका रिश्तों में नई शुरुआत : हाल के महीनों में भारत और अमेरिका के बीच संबंध व्यापारिक शुल्क और ऊर्जा नीति को लेकर तनाव में रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर 50% तक टैरिफ लगाया था, जिसमें रूसी तेल की खरीद पर 25% शुल्क भी शामिल था। भारत ने इसे अनुचित और एकतरफा निर्णय बताया था, हालांकि उसने यह भी कहा कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित पर आधारित है।

सीमा पार से आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी के पीड़ित, भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सख्त लहजे में कहा कि देश लंबे समय से सीमा पार से आने वाले आतंकवाद और अवैध हथियारों की तस्करी का शिकार रहा है। भारत ने बिना नाम लिए पाकिस्तान पर हमला करते हुए कहा कि अब ड्रोन के जरिए भी हथियार भारत में भेजे जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वथानेनी हरीश ने 'स्मॉल आर्म्स' पर खुले विचार-विमर्श के दौरान कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को ऐसे हथियारों की आवाजाही और इस्तेमाल को बढ़ावा देने वालों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनानी चाहिए।

हरीश ने कहा भारत ने कई दशकों तक आतंकवाद की भयावहता झेली है। छोटे हथियारों और गोला-बारूद की अवैध तस्करी और आतंकवादी संगठनों तक इसकी पहुँच बेहद चिंता का विषय है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से भारत की मांग : भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से आग्रह किया कि वह आतंकवादियों और सशस्त्र समूहों को हथियार पहुंचाने वालों के खिलाफ कठोर और समन्वित कदम उठाए। हरीश ने कहा सुरक्षा परिषद को आतंकवाद के किसी भी रूप या उसे समर्थन देने वालों के प्रति सहिष्णुता नहीं दिखानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि हथियार प्रतिबंध संघर्ष क्षेत्रों में हथियारों के प्रवाह को रोकने का एक प्रभावी तरीका है, लेकिन इसे निष्पक्ष और सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत : भारत ने कहा कि छोटे हथियारों और हल्के हथियारों की तस्करी न केवल सुरक्षा बल्कि विकास और मानवीय पहलुओं को भी प्रभावित करती है। हरीश ने कहा कि इन पर नियंत्रण के लिए देशों को मिलकर काम करना होगा, जिससे सीमा सुरक्षा, खुफिया साझेदारी और सूचना आदान-प्रदान को मजबूत किया जा सके। उन्होंने बताया कि भारत में यूएन प्रोग्राम ऑफ एक्शन (पीओए) और इंटरनेशनल ट्रेसिंग इंस्ट्रूमेंट (आईटीआई) को सक्रिय रूप से सहयोग के रूप में लागू किया जा रहा है।

पाकिस्तान, रूस में घुसकर डिफेंस टेक्नीक चुराने की कर रहा था कोशिश; भंडाफोड़

मास्को, एजेंसी। बीते मई महीने में जंग के मैदान में भारत के हाथों बुरी तरह पिटने वाला पाकिस्तान अब चोरी पर उतर आया है। अपने एयर डिफेंस सिस्टम्स की नाकामी के बाद पाकिस्तान रूस में घुसकर डिफेंस टेक्नीक चुराने की कोशिश कर रहा था। हाल ही में सामने आई एक रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने बीते दिनों पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ढ्ढस्ठ्ठ) द्वारा चलाए जा रहे एक जासूसी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यह नेटवर्क रूस से वायु रक्षा प्रणालियों की तकनीक की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था।

इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में इस मामले से परिचित लोगों के हवाले से बताया गया कि रूस में एक अभियान के तहत सेंट पीटर्सबर्ग में एक रूसी नागरिक को कुछ खुफिया दस्तावेजों की तस्करी करते गिरफ्तार किया गया। इन दस्तावेजों में सैन्य हेलीकॉप्टर की तकनीक और एयर डिफेंस सिस्टम डेवलप करने के लिए इस्तेमाल होने वाले दस्तावेजों से संबंधित कई जानकारियां शामिल थीं। ढ्ढस्ठ्ठ कथित तौर पर रूस द्वारा निर्मित एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणालियों से जुड़ी तकनीक की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी। गौरतलब है कि रूस में पाकिस्तान की इस करतूत का खुलासा ऑपरेशन सिंदूर के कुछ महीने बाद हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ बनी युद्ध जैसी स्थिति में भारत ने स्वदेशी वायु रक्षा प्रणालियों के साथ रूस में बनी स्400 एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से पाकिस्तान की हालत पतली कर दी थी। पाकिस्तान के कायराना हमलों को इन डिफेंस सिस्टम्स ने पूरी तरह नाकाम कर दिया था। ऐसे में अब पाकिस्तान इन तकनीकों की चोरी पर उतर आया।

नेपाल में फिर भड़की हिंसा: मधेश सीएम के शपथ ग्रहण का विरोध, कार्यालय में तोड़फोड़; प्रांतीय प्रमुख बर्खास्त

काठमांडू, एजेंसी। जेन-जी के विरोध प्रदर्शन से उबर रहे नेपाल में अब मधेस में हिंसा भड़क गई है। जनकपुरधाम स्थित मधेश के मुख्यमंत्री के ऑफिस में जमकर तोड़फोड़ हुई। भारत से सटे मधेश प्रांत में सीपीएन-यूएमएल संसदीय दल के नेता सरोज कुमार यादव को मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम के बाद नेपाल सरकार ने प्रांतीय प्रमुख सुमित्रा सुवेदी भंडारी को उनके पद से हटा दिया है। दरअसल, एलएसपी नेता जितेंद्र सोनल को अनुच्छेद 168 (2) के तहत नियुक्त किया गया था, लेकिन वह 8 नवंबर को विश्वास मत हासिल करने में विफल रहे थे। ऐसे में सरोज कुमार यादव की नियुक्ति की गई। प्रांतीय प्रमुख सुमित्रा सुबेदी भंडारी ने महोत्तरी में बर्दीबास के एक होटल से सोमवार

तड़के 4 बजे यादव को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। हालांकि नियुक्ति पत्र रविवार की तारीख में जारी किया गया। इतना ही नहीं, केपी शर्मा ओली के प्रधानमंत्रित्व काल में प्रांत प्रमुख नियुक्त की गई सुमित्रा ने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन की दावेदारी को नजरअंदाज कर दिया।

नेपाली कांग्रेस समेत सात दलों ने सरकार गठन के लिए भंडारी को औपचारिक सूचना दी थी लेकिन वह बीमारी का हवाला देते हुए काठमांडो चली गई थीं। हालांकि इसी दौरान, उन्होंने होटल से ही सरोज यादव को मुख्यमंत्री नियुक्त करने का पत्र जारी कर दिया और उन्हें शपथ भी दिला दी। इसके बाद नेपां, जेएसपी और लोसपा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ की, टायर जलाए और सड़कें जाम कर दीं। मुख्यमंत्री के चैंबर में फर्नीचर व संपत्ति को क्षति पहुंचाई। धोखे से की गई सरोज यादव की नियुक्ति : जितेंद्र सोनल एक दिन पहले ही इस्तीफा देने वाले पूर्व मुख्यमंत्री जितेंद्र सोनल ने भंडारी पर आरोप लगाया कि उन्होंने काठमांडो में मेडिकल उपचार के लिए जाने का नाटक कर चुपके से सरोज यादव को नियुक्त कर मधेश के लोगों के साथ धोखा किया है। यूएमएल गठबंधन से अलग होने के बाद माओवादी सेंटर और मधेश आधारित पार्टियों के साथ मिलकर नई सरकार बनाने की तैयारी कर रही नेपाली कांग्रेस ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की है। पार्टी महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि मधेस प्रांत में जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह राजनीति विरोधी कदम सिर्फ संघवाद के प्रति लोगों की निराशा को और बढ़ाएगी। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने भी कहा कि जब आर्टिकल 168 (2) के तहत सरकार बन सकती थी, तब भी यह नाटक किया गया। हम उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका इसे ठीक करेगी।

खूंखार अपराधियों का तांडव, इक्काडोर की जेल में फांसी पर लटके मिले दर्जनों कैदी

इक्काडोर, एजेंसी। दक्षिण अमेरिका के इक्काडोर में एक बेहद खतरनाक घटना सामने आई है। यहां की मचला जेल में दंगों के बाद कम से कम 31 कैदी फांसी पर लटके पाए गए। जेल के अधिकारियोंका कहना कहना है कि चार कैदियों को गोली मार दी गई थी। बाकी कैदियों को फांसी पर लटकाकर या फिर गला घोंटकर मार दिया गया। इक्काडोर के गृह मंत्री ने बताया कि शाम को करीब 6 बजे कैदियों के शव लटके हुए पाए गए थे। विरोधी गैंग ने उन्हें मारकर लटका दिया। उन्होंने कहा कि इस जेल में करीब 1000 कैदी थे। इस घटना के बाद देश में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है।

क्यों हुआ था दंगा : रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्रग्स स्मग्लिंग के सरगनाओं की जेल बदलने को लेकर यह दंगा हुआ था। जेल में बंद कैदियों के गैंग का कहना था कि उन्हें ट्रांसफर ना किया जाए। वहीं सरकार ने गुयाकिल की जेल में उन्हें ट्रांसफर करने का फैसला किया था। गृह मंत्री ने बताया कि अब तक 300 खूंखार कैदियों को नई जेल में शिफ्ट किया जा चुका है। बता दें कि इक्काडोर की इस जेल में अकसर दंगे होते हैं। 2020 से अब तक कम से कम 500 कैदी इस जेल में मारे जा चुके हैं। इक्काडोर की गिनती दुनिया के बेहद खतरनाक देशों में होती है। राष्ट्रपति डैनियल नोबोआ ने कई संगठनों को आतंकी संगठन घोषित किया है और कई अपराधियों को प्रत्यर्पित किया है। ऐसे में ये संगठन और भी हिंसक हो गए हैं। बता दें कि अप्रैल में ही इक्काडोर में चुनाव करवाए गए थे। नोबोआ ने अपने प्रतिद्वंद्वी लुइसा गोंजालेज को हराया था। उनके बीच मतों का अंतर भी बेहद कम था। चुनाव के दौरान भी हिंसा की खबरें सामने आई हैं। इक्काडोर में रोजगार और अपराध बड़ी समस्या बने हुई है। नोबोआ एक दक्षिणपंथी नेता हैं। वह कानून व्यवस्था को लेकर कड़े फैसलों के लिए जाने जाते हैं।

वायरल टिकटॉकर को बीच चौराहे गोलियों से भूना, जिहादियों ने लाइव स्ट्रीमिंग के समय किया था अगवा

बामको, एजेंसी। माली में एक युवा टिकटॉकर की सरेआम हत्या ने पूरी दुनिया में सनसनी मचा दी है। जानकारी के मुताबिक आंतरिक संघर्षों से जूझ रहे माली में हाल ही में मारियम सिसे नाम की सोशल मीडिया स्टार की किडनैपिंग के बाद सार्वजनिक रूप से हत्या कर दी गई। कथित तौर पर यह हत्या जिहादी समूहों ने की। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि मारियम पर आरोप था कि वह माली की सेना की मदद करती है। इस घटना से पूरा देश में सहम उठा है। बता दें कि माली 2012 से जिहादी हिंसा का सामना कर रहा है।

पीड़ित मारियम सिसे के टिकटॉक पर एक लाख से ज्यादा फॉलोअर थे। वह अक्सर अपने इलाके की जिंदगी के वीडियो शेयर करती थी और कई बार सेना के समर्थन में भी पोस्ट करती थी। उसके परिवार के मुताबिक बीते गुरुवार को जिहादियों ने उसे यह कहते हुए पकड़ लिया कि वह सेना को उनकी गतिविधियों की जानकारी दे रही है। उसके भाई ने बताया कि मारियम उस समय शहर के बाजार में लाइव-स्ट्रीम कर रही थी, तभी उसे उठा लिया गया।

अगले दिन मारियम को मोटरसाइकिल से टोंका लाया गया। यहां चौराहे पर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। उसी समय उसका भाई भी वहां मौजूद भीड़ में था। एक सुरक्षा सूत्र ने बताया कि जिहादियों ने आरोप लगाया कि मारियम ने उनका वीडियो बनाकर सेना को भेजा था।

माली मे बिगड़े हालात

यह घटना ऐसे समय हुई है जब देश की सैन्य सरकार जिहादी हिंसा को रोकने में संघर्ष कर रही है। हाल के हफ्तों में अल-कायदा से जुड़े समूह जेएनआईएम ने ईंधन आपूर्ति पर रोक लगा दी है, जिससे आम लोगों की जिंदगी पर बड़ा असर पड़ा है। इस बीच अफ्रीकी संघ आयोग के अध्यक्ष महमूद अली यूसुफ ने हाल ही में एक बयान में कहा कि हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिहादी समूहों की वजह से जरूरी सामान की आपूर्ति बाधित हो रही है और आम लोगों के लिए हालात बहुत कठिन हो गए हैं। उन्होंने निर्दोष नागरिकों पर हमलों की निंदा की है और कहा है कि अफ्रीकी संघ माली और पूरे साहेल क्षेत्र की मदद के लिए हमेशा तैयार है।

शेख हसीना ने दिल्ली लाल किला ब्लास्ट की कड़ी निंदा की, आतंकवाद को मानवता का दुश्मन बताया

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए भीषण हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे किसी भी परिस्थिति में अस्वीकार्य बताया। हसीना की यह टिप्पणी सोमवार शाम दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी कार में हुए विस्फोट के बाद आई है। विस्फोट में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए हैं। विस्फोट के प्रभाव से आस-पास के कई वाहन आग की चपेट में आ गए और आसपास की स्ट्रीट लाइटें और खड़ी कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। हसीना ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। हसीना द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, आधुनिक दुनिया में चरमपंथी आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। ये चरमपंथी आतंकवादी समूह एक धर्मनिरपेक्ष, मानवीय और कल्याणकारी राज्य की नींव पर प्रहार करते हैं। पाकिस्तान में जड़ें जमाए ये आतंकवादी समूह बांग्लादेश सहित विभिन्न देशों में अपने नेटवर्क में घुसपैठ कर चुके हैं और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर करने के लिए भारत में हमले कर रहे हैं। यह बयान अवामी लीग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया गया था। उन्होंने आगे कहा, हमें इन आतंकवादियों का विरोध करना चाहिए और लोगों के बीच संबंध मजबूत करके दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखनी चाहिए। बांग्लादेश अवामी लीग आतंकवाद के खिलाफ इस सैद्धांतिक संघर्ष में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना पूरा समर्थन देती है। हसीना ने इस बात पर जोर दिया कि मानवता के खिलाफ ऐसे जघन्य अपराधों के लिए आज की सभ्य दुनिया में कोई जगह नहीं है और न ही वे माफी के हकदार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवाद की जड़ें जहां कहीं भी हों, उन्हें

जड़ से मिटा दिया जाना चाहिए। हसीना ने कहा, बांग्लादेश और अन्य जगहों पर इन आतंकवादी समूहों का समर्थन करने वाले लोग मानवता के दुश्मन हैं और हम उनकी कड़ी निंदा भी करते हैं। उन्होंने भारत के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर संभव सहयोग का वादा किया। हसीना ने कहा, हम आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ अपने रुख पर अडिग हैं। हमारा मानना है कि इन आतंकवादी समूहों की हार से न्याय और मानवाधिकारों की रक्षा होगी और दुनिया सुरक्षित बनेगी।

इंडोनेशिया में पूर्व तानाशाह को राष्ट्रनायक का दर्जा

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया ने सोमवार को अपने पूर्व तानाशाह सुहार्तो को राष्ट्रीय नायक घोषित किया। इससे मानवाधिकार संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। संगठनों ने आरोप लगाया कि सरकार इस कदम से सुहार्तो के शासनकाल के दौरान हुए मानवाधिकार हनन और भ्रष्टाचार को सफेद करने की कोशिश कर रही है। सुहार्तो 32 वर्षों तक सत्ता में रहें। इस दौरान लाखों राजनीतिक विरोधियों की हत्या की गई थी। इसके बावजूद उन्हें राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय नायक दिवस पर सम्मानित किया। संस्कृति मंत्री फदली जोन ने कहा कि सुहार्तो ने डच औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और गरीबी व मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में योगदान दिया था। उन्होंने भ्रष्टाचार और मानवाधिकार हनन के आरोपों को निराधार बताया। राष्ट्रपति प्रबोवो, जो कभी सुहार्तो के दामाद थे, समारोह के बाद चुप रहे। मानवाधिकार समूहों का कहना है कि यह फैसला तानाशाही शासन को वैध ठहराने की कोशिश है।

गाजियाबाद के इकला में सांसद चंद्रशेखर आजाद का भव्य स्वागत

सैकड़ों वाहनों का काफिला, फूलों की वर्षा और जय भीम - जय भारत के नारों से गूंजा आनंद नागर निवास

अहम सत्ता

चौधरी अफसर (संपादक)

गाजियाबाद। ग्राम इकला, आनंद नागर (थाना वेव सिटी क्षेत्र) में मंगलवार को आजाद समाज पार्टी के संस्थापक व सांसद चंद्रशेखर आजाद का जोरदार स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, हापुड़, गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद जिलों के अलावा इकला, नंगला, गुर्जरगढ़ी, इनायतपुर, डासना, कचेड़ा, दुजाना, बंबावड़, कलदा, गिरधरपुर, मारकपुर, मसूरी आदि गांवों से सैकड़ों लोग पहुंचे।

गांव की गलियों से लेकर मुख्य सड़कों तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और हर तरफ –जय भीम – जय भारत – चंद्रशेखर आजाद अमर रहें! के नारे गूंजते रहे।

ग्राम इकला बना एकता का प्रतीक स्थल

दिनभर इकला गांव में रौनक बनी रही। गांव की गलियां फूलों से सजीं और लोगों में चंद्रशेखर आजाद से मिलने का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा रही कि इकला की धरती आज इंसाफ और एकता के प्रतीक के रूप में याद की जाएगी। सांसद चंद्रशेखर आजाद के इस दौरे ने यह संदेश दिया कि लड़ाई केवल सत्ता की नहीं, बल्कि इंसाफ और अधिकारों की है। गांव इकला का यह आयोजन आने वाले समय में पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति में नई दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।

सर्वसमाज ने किया स्वागत

फूल-मालाओं और ढोल नगाड़ों से बजी एकता की धुन कार्यक्रम के दौरान सांसद का स्वागत फूल-मालाओं और गुलदस्तों से किया गया। युवाओं ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर नारे लगाते हुए उनका अभिनंदन किया। चारों ओर केवल एकता, भाईचारे और जोश का माहौल दिखाई दे रहा था। कार्यक्रम में सैकड़ों वाहनों का काफिला गांव में दाखिल हुआ, जिससे पूरा क्षेत्र जाम की स्थिति में आ गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता और संचालन

कार्यक्रम की अध्यक्षता इनायतपुर के प्रधान श्री बालेश्वर त्यागी ने की, जबकि संचालन विजयपाल मुखिया ने किया। कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी ओमेंद्र आर्य रहे। मंच पर उपस्थित प्रमुख व्यक्ति मंच पर क्षेत्र के कई सम्मानित जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख हैं —सीताराम बाबू (इनायतपुर), दिलावर गुर्जर (नंगला), मुकेश प्रधान (कचेड़ा), रविंद्र प्रधान (कलदा), सतीश बिधूड़ी (मारकपुर), विकास बिधूड़ी (मारकपुर), शहजाद प्रधान (मसूरी), आसाराम (गुर्जरगढ़ी), दरोगा जी (गिरधरपुर), रिंकू प्रधान (दुजाना) सभी ने एक स्वर में कहा कि सांसद चंद्रशेखर आजाद वह नेता हैं जिन्होंने जमीन से उठकर सड़क से लेकर संसद तक गरीबों, दलितों, पिछड़ों और सर्व समाज के लिए आवाज बुलंद की है।

सांसद ने कहा

— मैं जाति या धर्म नहीं देखता, केवल इंसानियत देखता हूं मंच से संबोधित करते हुए सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि — मैं न जाति देखता हूं, न धर्म। मैं केवल एक भारतीय देखता हूं। मैं सड़क से लेकर संसद तक इंसाफ की लड़ाई लड़ता रहूंगा। चाहे मेरी सदस्यता हजार बार रद्द कर दी जाए, मैं पीछे हटने वाला नहीं हूं। जुल्म चाहे कितना भी हो, हम चुप नहीं बैठेंगे और किसी निर्दोष के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। सांसद की यह बात सुनकर उपस्थित लोगों ने जोरदार नारेबाजी की और मंच से लेकर पूरे मैदान तक तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी।

गुर्जर समाज और सर्व समाज का समर्थन

गुर्जर समाज के लोगों ने सांसद का फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए खुला समर्थन किया। स्थानीय युवाओं और महिलाओं ने भी मंच के समीप पहुंचकर सांसद को सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान इंसाफ की आवाज और भीम का सिपाही आजाद जैसे नारे लगातार गूंजते रहे।

सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के विद्यार्थियों ने कमल शुक्ल कॉलेज मूट कोर्ट सेमीफाइनल में हासिल की शानदार सफलता

अहम सत्ता

गाज़ियाबाद, कानूनी ज्ञान और वाद-विवाद कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के विद्यार्थियों ने कमल शुक्ल कॉलेज द्वारा आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल राउंड में शानदार सफलता अर्जित की।

टीम में अब्दुल कादिर, दानिया अकरम, और शिल्पी यादव शामिल थे, जिन्होंने अदालत की कार्यवाही को पेशेवर अंदाज में प्रस्तुत करते हुए मजबूत विधिक तर्कों के साथ निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। विद्यार्थियों ने न केवल कानूनी प्रावधानों की गहरी समझ दिखाई बल्कि अपने आत्मविश्वासपूर्ण और प्रभावशाली अभिव्यक्ति से सभी का दिल जीत लिया।

टीम को वैष्णवी वत्स और इस्मत हिना के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में तैयार किया गया, जबकि देवेश रावत ने शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग प्रदान कर टीम को सफलता के लिए सशक्त बनाया।

निर्णायक मंडल ने सुन्दर दीप टीम की तैयारी, कोर्ट मैनरिज्म, और प्रस्तुतीकरण की विशेष सराहना की। यह उपलब्धि संस्थान के लिए गर्व का विषय है और यह दशार्ती है कि सुन्दर दीप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स न केवल अकादमिक उत्कृष्टता बल्कि व्यावहारिक विधिक प्रशिक्षण में भी अग्रणी है।

संस्थान परिवार ने टीम को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई दी और भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं।

विश्व निमोनिया दिवस पर डॉ. बी.पी. त्यागी ने दी जागरूकता की सीख — बच्चों की जीवन रक्षा ही है असली सफलता

अहम सत्ता

गाजियाबाद।

हर साल 12 नवंबर को मनाए जाने वाले विश्व निमोनिया दिवस के अवसर पर डॉ. बी.पी. त्यागी, डायरेक्टर हर्ष ईएनटी हॉस्पिटल गाजियाबाद, ने मेडिकल छात्रों को निमोनिया के प्रति जागरूक करते हुए विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ह्लनिमोनिया आज भी बच्चों और बुजुर्गों में मृत्यु का प्रमुख कारण है, जबकि इसे समय पर पहचानकर और इलाज से पूरी तरह रोका जा सकता है।

निमोनिया के लक्षण और खतरे

मौके पर छात्रों को जानकारी देते हुए डॉ. त्यागी ने बताया कि निमोनिया एक गंभीर फेफड़ों का संक्रमण है, जिसके लक्षणों में तेज बुखार, खांसी, सांस लेने में दिक्कत, सीने में दर्द और थकान शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय पर इलाज न मिले तो यह बीमारी जानलेवा साबित हो सकती है।

2009 से चल रहा वैश्विक अभियान

डॉ. त्यागी ने कहा कि विश्व निमोनिया दिवस की शुरूआत 12 नवंबर 2009 को बाल निमोनिया के खिलाफ वैश्विक गठबंधन (Global Coalition Against Child Pneumonia) द्वारा की गई थी। इसके बाद से हर साल दुनियाभर में यह दिवस मनाया जा रहा है ताकि रोकथाम, इलाज और जागरूकता के माध्यम से निमोनिया से होने वाली मौतों में कमी लाई जा सके।

सुन्दरदीप ग्लोबल यूनिवर्सिटी में इन सिलिको एप्रोच एंड इन विट्रो ट्रेनिंग इन मॉलीक्यूलर बायोलॉजी पर दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन

अहम सत्ता

गाजियाबाद, सुन्दरदीप ग्लोबल यूनिवर्सिटी (एस.डी.जी. आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी) के स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा इन सिलिको एप्रोच एंड इन विट्रो ट्रेनिंग इन मॉलीक्यूलर बायोलॉजी विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक मॉलीक्यूलर बायोलॉजी की प्रयोगात्मक (इन विट्रो) एवं कम्प्यूटेशनल (इन सिलिको) तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

यह कार्यशाला एस.जी.यू. सेमिनार हॉल और लैबोरेटरी में आयोजित की गई। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्रयोगशाला आधारित तकनीकों के साथ-साथ बायोइन्फॉर्मेटिक्स एवं स्ट्रक्चरल बायोलॉजी से जुड़ी सॉफ्टवेयर-आधारित ट्रेनिंग का अवसर मिला।

कार्यशाला के पहले दिन श्फ्रॉम कॉलेज टू कॉरपोरेट : हँड्स ऑन इन मॉलीक्यूलर बायोलॉजी

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

स्वागत संबोधन डॉ. ज्योति चौधरी, निदेशक (कार्यवाहक), स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा किया गया। इसके पश्चात डॉ. राजीव रतन, रजिस्ट्रार, एवं माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार ने अपने प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए। इसके बाद फ्रॉम कॉलेज टू कॉरपोरेट विषय पर डॉ. श्वेता अरोड़ा द्वारा सत्र का संचालन किया गया।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने पी.सी. आर. इन एक्शन हँड्स ऑन एंड करियर पॉसिबिलिटीज तथा द साइंस बिहाइंड जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस विषयों पर प्रयोगात्मक प्रशिक्षण प्राप्त किया। छात्रों ने डी. एन. ए. आइसोलेशन, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस और पी.सी.आर. तकनीकों पर व्यवहारिक अभ्यास किया।

कार्यशाला के दूसरे दिन का विषय स्ट्रक्चरल बायोइन्फॉर्मेटिक्स रहा, जिसमें प्रतिभागियों को प्रोटीन मॉडलिंग और ड्रग टार्गेट डिस्कवरी के कम्प्यूटेशनल तरीकों की जानकारी दी गई।

पहला सत्र डॉ. सुधीर पाल द्वारा इंट्रोडक्शन टू ड्रग डिस्कवरी पाइपलाइन : टार्गेट आइडेंटिफिकेशन एंड वैलिडेशन विषय पर प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद एक्सप्लोरिंग बायोलॉजिकल डाटाबेस पर हँड्स-ऑन ट्रेनिंग कराई गई, जिसमें छात्रों ने विभिन्न बायोइन्फॉर्मेटिक्स टूल्स का प्रयोग किया। दोपहर बाद के सत्रों में प्रोटीन स्ट्रक्चर एंड ड्रग बाइंडिंग प्रिंसिपल्स तथा श्प्रोटीन विजुअलाइजेशन टूल्स एंड मॉलिक्यूलर डॉकिंग सॉफ्टवेयर पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला का समापन प्रमाणपत्र वितरण समारोह एवं समापन संबोधन के साथ किया गया। यह दो दिवसीय कार्यशाला छात्रों को यह समझाने के लिए आयोजित की गई कि किस प्रकार प्रयोगशाला में किया गया विज्ञान, डेटा-आधारित कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी से जुड़कर आधुनिक अनुसंधान को आगे बढ़ाता है।

दोनों दिनों में विशेषज्ञों द्वारा इंटरएक्टिव सेशन्स, प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से विद्यार्थियों को बायोटेक्नोलॉजी अनुसंधान की गहराई से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विश्वविद्यालय प्रबंधन, आयोजन समिति, संसाधन विशेषज्ञों, शिक्षकों एवं सभी प्रतिभागियों के सहयोग की सराहना की गई।

इस आयोजन की सफलता में माननीय चेयरमैन एवं चांसलर (एस.डी.ई.एस. एवं एस.जी.यू.) श्री महेन्द्र अग्रवाल जी, माननीय वाइस चेयरमैन (एस.डी.ई.एस.) श्री अखिल अग्रवाल जी, माननीय प्रो-चांसलर (एस.जी.यू.) श्री नितिन अग्रवाल जी एवं माननीय प्रो-चांसलर (प्रशासन) श्री विमल कुमार शर्मा जी का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन रहा।